सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

केएल राहुल 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने के कगार पर, चाहिए मात्र इतने रन.... -पेज: 7

धड़क 2 में सिद्धांत चतुर्वेदी का अभिनय देख भावुक हुईं तृप्ति डिमरी..... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 102 | सोमवार 21 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

राहुल गांधी के बयान से मचा बवाल: 'ऐसे तो नहीं चलेगा, इंडिया गठबंधन की बैठक में ही भड़के वाम दल

संसद के मानसून सत्र से पहले विपक्षी इंडिया गठबंधन के 24 दलों की वर्चुअल बैठक शनिवार को हुई। लेकिन इस बैठक से ठीक पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक बयान ने गठबंधन में फूट की आहट पैदा कर दी है।

नई दिल्ली (एजेंसी): संसद के मानसून सत्र से पहले विपक्षी इंडिया गठबंधन के 24 दलों की वर्चुअल बैठक शनिवार को हुई। लेकिन इस बैठक से ठीक पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक बयान ने गठबंधन में फूट की आहट पैदा कर दी है। दरअसल, केरल के कोट्टायम में राहुल गांधी ने आरएसएस और सीपीएम दोनों से लड़ने की बात कही थी, जिस पर वामपंथी दलों ने कड़ी नाराजगी जताई और बैठक में इस मुद्दे को उठाया। राहुल गांधी ने क्या कहा? राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा था, "मैं आरएसएस और सीपीआई(एम) दोनों से वैचारिक लड़ाई लड़ता हूं। मेरी सबसे बड़ी शिकायत यह है कि इनमें लोगों के लिए कोई संवेदना नहीं है। आप कितनी भी बातें करें, लेकिन जब तक आप लोगों को महसूस नहीं करते, गले नहीं लगाते, तब तक आप नेता नहीं बन सकते।" उनके इस बयान से केरल में कांग्रेस की पुरानी सहयोगी सीपीएम (कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया-मार्क्सवादी) नाराज हो गई। सीपीएम का तीखा पलटवार: "न केवल अनुचित बल्कि निंदनीय" सीपीआई के वरिष्ठ नेता डी. राजा ने विपक्षी गठबंधन की बैठक के दौरान राहुल गांधी का नाम लिए बिना ही उनके बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान वामपंथी कार्यकताओं में गलत संदेश भेजते हैं और इनसे बचना चाहिए। सीपीएम की ओर से भी बयान जारी कर कहा गया, "राहुल गांधी ने जो फ्रर और सीपीएम की तुलना की है, वह न केवल अनुचित बल्कि निंदनीय भी है। उन्हें यह याद रखना चाहिए कि केरल में आरएसएस के खिलाफ सबसे मुखर लड़ाई सीपीएम ही लड़ रही है। कांग्रेस और फ्रर अक्सर एक जैसी भाषा बोलते हैं, खासकर जब वे कम्युनिस्टों पर हमला करते हैं।" पार्टी सांसद जॉन ब्रिट्टास ने भी एएनआई से बात करते हुए कहा कि राहुल गांधी का बयान 'दुर्भाग्यपूर्ण' है और इससे विपक्षी एकता को नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने कहा, "हम आरएसएस के खिलाफ लगातार संघर्षरत रहे हैं। राहुल गांधी को ऐसे गैरजिम्मेदार और असंवेदनशील बयान देने से बचना चाहिए।" विपक्षी एकजुटता पर सवाल राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय आया है जब इंडिया गठबंधन संसद के मानसून सत्र से पहले अपनी रणनीति बनाने में जुटा है। इस बैठक में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, राजद, समाजवादी पार्टी, एनसीपी (शरद पवार गुट), शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट), झामुमो, सीपीआई, सीपीएम, फॉरवर्ड ब्लॉक, आईयूएमएल, केरल कांग्रेस समेत 24 दलों ने हिस्सा लिया। वहीं, अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी इस बैठक से अनुपस्थित रही। इस बैठक में शामिल नेताओं ने पहलगाम आतंकी हमले, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की मध्यस्थता के दावों, और बिहार में चल रही विशेष मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया जैसे मुद्दों को संसद में उठाने का निर्णय लिया। विपक्षी नेताओं ने साथ ही विदेश नीति की 'विफलता', गाजा में 'अत्याचार', और देश में अनुसूचित जाति/जनजाति, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे 'हमलों' को भी प्रमुख मुद्दा बनाने का संकल्प लिया। दरअसल, कांग्रेस और सीपीएम के बीच केरल में लंबे समय से राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता रही है। लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर दोनों दल भाजपा और आरएसएस के खिलाफ एकजुट दिखने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रशांत किशोर ने कहा, लालू यादव नौवीं पास को राजा बनाना चाह रहे और आप बच्चे के लिए कुछ नहीं कर रहे

मुजफ्फरपुर। : जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कहा है कि अबतक सत्ता में आने वाली सभी पार्टियों ने बिहार को ठगने के काम किया है। हरेक गांव में 10वां आदमी बिहार के बाहर मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण कर रहा है। हम वोट मांगने नहीं, बल्कि यह बात याद दिलाने आए हैं कि अबतक बिहार के लोग किस तरह ठगी के शिकार होते आए हैं। बिहार अब बदलाव की राह पर चल पड़ा है। इसलिए इस बार विधानसभा चुनाव में अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए वोट करना है। प्रखंड क्षेत्र के जारंग हाईस्कूल के प्रांगण में शनिवार की दोपहर बिहार बदलाव सभा को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने ये बातें कहीं। निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सीखना है तो राजद सुप्रीमो से सीखिए। उन्होंने अपने नौवीं कक्षा पास पुत्र को बिहार का राजा बनाना चाहते हैं। दूसरा 20 साल से कुर्सी पर लगातार कब्जा कर बैठे नीतीश कुमार अब 125 यूनिट बिजली फ्री में देकर आम लोगों को ठग रहे हैं। इससे पूर्व स्मार्ट मीटर लगाकर लोगों को लूट लिया। कोई फ्री में रसोई गैस सिलिंडर तो कोई वृद्धापेंशन बढ़ाकर अपनी पीठ थपथपा रहा है। दुर्भाग्य की बात है

ब्रिटेन और मालदीव के चार दिवसीय दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी, क्यों खास है ये यात्रा?

ब्रिटेन और मादीव की यात्रा करेंगे पीएम मोदी। 22 जुलाई से शुरू होगी पीएम मोदी की ये विदेश यात्रा।

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार से ब्रिटेन और मालदीव की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। माना जा रहा है कि पीएम मोदी की इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य व्यापार, निवेश और रक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। पीएम मोदी की इस यात्रा के संबंध में विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री अपनी यात्रा के प्रथम चरण में ब्रिटेन जाएंगे, जहां पर वह ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के नेताओं के बीच कई मुद्दों पर चर्चा होगी। द्विपक्षीय संबंधों पर होगी व्यापक चर्चा विदेश मंत्रालय ने पीएम मोदी की इस यात्रा को लेकर एक बयान जारी करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री मोदी, प्रधानमंत्री स्टारमर के साथ भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर व्यापक चर्चा करेंगे, साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान भी करेंगे। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23-24 जुलाई को ब्रिटेन की यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री की मुलाकात ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय से भी होने की उम्मीद है। मालदीव की यात्रा भी करेंगे पीएम मोदी रविवार को जारी बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य रूप से 26 जुलाई को द्वीपीय राष्ट्र की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर मालदीव की यात्रा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के निमंत्रण पर 25 से 26 जुलाई तक मालदीव की राजकीय यात्रा करेंगे। बता दें कि पीएम मोदी की यह तीसरी मालदीव यात्रा होगी। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मुइज्जू आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा करेंगे और 'व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी' के लिए भारत-मालदीव संयुक्त दृष्टिकोण के कार्यान्वयन में प्रगति का जायजा लेंगे। यह संयुक्त दृष्टिकोण पिछले साल अक्टूबर में मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान अपनाया गया था।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने की तैयारी, 100 से अधिक सांसदों ने किए प्रस्ताव पर हस्ताक्षर

100 से ज्यादा सांसदों के हस्ताक्षर एकत्रित संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने दी जानकारी 21 जुलाई से शुरू हो रहा मानसून सत्र

नई दिल्ली (एजेंसी): जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करने के लिए 100 से ज्यादा सांसदों के हस्ताक्षर एकत्रित कर लिए गए हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महाभियोग प्रक्रिया के लिए सांसदों के आवश्यक हस्ताक्षरों के लिए प्रोसेस जारी है और आंकड़ा पहले ही 100 को पार कर चुका है। बता दें कि जस्टिस वर्मा के अपने आवास पर जले हुए कैश के बंडल बरामद होने के बाद मामला संज्ञान में आया था और तब से ही जस्टिस वर्मा की मुश्किलें बढ़ी हुई हैं। 21 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र में महाभियोग लाने के सवाल पर रिजिजू ने कहा कि यह सिर्फ सरकार का कदम नहीं है। सभी दल इस पर मिलकर फैसला करेंगे। 21 जुलाई से शुरू हो रहा मानसून सत्र किरेन रिजिजू ने कहा कि जब तक यह अध्यक्ष की मंजूरी से बिजनेस एडवाइजरी कमेटी द्वारा पारित नहीं हो जाता, तब तक इस पर किसी भी तरह की टिप्पणी करना सही नहीं है। बता दें कि संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा। रविवार को केंद्र सरकार ने मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक में कांग्रेस सांसद के. सुरेश और जयराम रमेश, शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, एनसीपी-एससीपी सांसद सुप्रिया सुले, भाजपा सांसद रवि किशन और अन्य नेता शामिल थे। बैठक में सपा, वाईएसआर कांग्रेस, जेडीयू, अन्ना द्रमुक, सीपीआईएम और डीएमके के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला संसद सत्र होगा। इस सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा किए जाने की उम्मीद है। विपक्ष लंबे समय से ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग कर रहा है।

असम के भाजपा नेता ने साधा निशाना; बोले- बंगाल को इस्लामिक राज्य बनाना चाहती हैं

गुवाहाटी (एजेंसी): असम विधानसभा के डिप्टी स्पीकर और भाजपा नेता नुमल मोमिन ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उन्होंने ममता बनर्जी को आधी हिंदू करार दिया और कहा कि ममता इसीलिए हिंदुओं के खिलाफ बयान दे रही हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में नुमल मोमिन ने कहा, 'ममता बनर्जी का बयान बेहद निंदनीय है। कोई भी असमिया व्यक्ति इस बयान का समर्थन नहीं करेगा। वह बांग्लादेशी घुसपैठियों का सह-अस्तित्व चाहती हैं। वह आधी हिंदू हैं, इसलिए हिंदुओं के खिलाफ बयान दे रही हैं।' बंगाल पर ध्यान देने की दी नसीहत मोमिन ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी बंगाल, असम और पूर्वोत्तर को इस्लामिक राज्य बनाया चाहती हैं। मोमिन ने ममता पर पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की स्थिति को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया और कहा कि असम पर टिप्पणी करने की जगह उन्हें अपने राज्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। दरअसल ममता बनर्जी ने असम सरकार पर आरोप लगाया है कि बंगाली भाषा बोलने वाले नागरिकों को अपनी भाषाई पहचान के आधार पर प्रताड़ित किया जा रहा है। मोमिन ने कहा कि ममता को हिंदुओं से कभी सहानुभूति नहीं रही। बंगाल में हिंदू बेहद कष्ट झेल रहे हैं। ममता ने कहा था कि 'असम में भाजपा का विभाजनकारी एजेंडा सारी हदें पार कर गया है और असम के लोग इसका डटकर मुकाबला करेंगे। मैं हर उस निडर नागरिक के साथ खड़ी हूँ जो अपनी भाषा और पहचान की गरिमा और अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लड़ रहा है।'

'हरियाणा का एक समान विकास करूंगा', सीएम नायब बोले- पीएम मोदी से लेता हूं मार्गदर्शन

चंडीगढ़ (एजेंसी): हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद से गरीब परिवारों के बच्चों को उनकी योग्यता के आधार पर बिना पर्ची और बिना खर्ची के सरकारी नौकरियां मिल रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हरियाणा में अभी तक दो लाख से ज्यादा सरकारी नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री से समय-समय पर हरियाणा के विकास को लेकर मार्गदर्शन प्राप्त करता हूं। पूरे राज्य का एक समान और बिना भेदभाव के विकास कराना मेरी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के हर व्यक्ति की सुनवाई हो, उनके वाजिब कामों में किसी तरह की परेशानी न आए, इसले लिए अधिकारियों को सख्ती से निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री रविवार को चंडीगढ़ में अपने सरकारी आवास संत कबीर कुटीर पर आए हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) के लोगों को संबोधित कर रहे थे। ओबीसी समाज की ओर से उनके कल्याण की योजनाएं लागू करने व घोषणाओं पर मुख्यमंत्री को पगड़ी भेंट की गई। नायब सैनी ने कहा कि सम्मान की प्रतीक जो पगड़ी ओबीसी समाज के लोगों ने मुझे दी है, उसे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अधिक सम्मानित करने का काम करूंगी। मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन सैनी ने ओबीसी समाज के लोगों से कहा कि यह मुख्यमंत्री का आवास बाद में है, पहले आप सभी का घर है। इस घर के दरवाजे सभी के लिए हर समय खुले हुए हैं। मुख्यमंत्री ने ओबीसी समाज के लोगों की सराहना करते हुए कहा कि इस समाज का हर व्यक्ति सक्षम है। पिछली सरकारों में ओबीसी को वोट बैंक समझा जाता था, लेकिन उनका वास्तविक हक भाजपा सरकार ने प्रदान किया है। पूर्व की सरकारों में पिछड़ा वर्ग के बैकलाग को "योग्य उम्मीदवार नहीं" मिलने का बहाना बनाकर खाली छोड़ दिया जाता था, जबकि वर्तमान सरकार ने पिछड़ा वर्ग से प्रोफेसर, डाक्टर और इंजीनियर तक भर्ती किए हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के हर तरह के दुष्प्रचार से बचना होगा। इसके लिए ओबीसी समाज दुष्प्रचार करने वालों का जवाब देने के लिए आगे आए। राज्य के लोगों ने प्रदेश में तीसरी बार नान-स्टाप सरकार बनाई है, हम काम में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।सीएम ने कहा कि वे राज्य में पढाई और नौकरी का माहौल बदल रहे हैं। 26 व 27 जुलाई को सीईटी की परीक्षा है। परीक्षार्थियों के लिए घर से परीक्षा केंद्र तक लाने और वापस ले जाने के लिए बसों का निःशुल्क प्रबंध किया जा रहा है। लड़कियों के साथ घर के एक सदस्य को मुफ्त जाने की अनुमति दी गई है। भाजपा ने क्रीमी लेयर की आय सीमा आठ लाख की हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने याद कराया कि हरियाणा सरकार ने केंद्र की तर्ज पर क्रीमी लेयर की आय सीमा 6 लाख से बढाकर 8 लाख की है।

हमारे साथ आने से किसे दिक्कत है? राज संग गठबंधन पर उद्धव ठाकरे का बेबाक सवाल

महाराष्ट्र में दो दशकों बाद उद्धव और राज ठाकरे के मिलन ने राजनीतिक हलचल मचा दी है। उद्धव ठाकरे ने 'सामना' इंटरव्यू में अपने विरोधियों को जवाब देते हुए कहा कि यह एकजुटता सभी समुदायों को पसंद आ रही है

महाराष्ट्र (एजेंसी): दो दशकों तक एक-दूसरे के धुर विरोधी रहे ठाकरे भाई, उद्धव और राज, एक बार फिर साथ आ गए हैं। उनके इस मिलन ने महाराष्ट्र की राजनीति में जबरदस्त हलचल मचा दी है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने हाल ही में शिवसेना के मुखपत्र सामना को दिए एक खास इंटरव्यू में महाराष्ट्र के ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर खुलकर बात की। इस इंटरव्यू की सबसे ज्यादा सुर्खियां उनके चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के साथ दोबारा जुडने पर उनकी टिप्पणियों ने बटोरीं। राज ठाकरे के साथ गठबंधन पर उद्धव का बेबाक जवाब जब उद्धव ठाकरे से राज ठाकरे के साथ एक बडे राजनीतिक गठबंधन की संभावना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया, 'हमारे साथ आने से किसे दिक्कत है? उन्हें अपनी समस्याओं का समाधान खुद करना चाहिए। हम इसके बारे में क्यों सोचें?' उन्होंने आगे कहा कि उनके इस पुनर्मिलन से न केवल मराठी लोगों को, बल्कि अन्य समुदायों को भी खास खुशी मिली है। उद्धव ने जोर देकर कहा, 'हमारे मुस्लिम भाई भी खुश थे, और खुलकर अपनी खुशी जाहिर कर रहे थे। गुजराती और हिंदी भाषी नागरिकों ने कहा, 'अच्छा किया आपने।' अगर किसी को पेट में दर्द है, तो वह उनका पेट दर्द है। मैं इसे नजरअंदाज करता हूं।' यह बयान सीधे तौर पर उन लोगों पर हमला था, जिन्हें ठाकरे भाइयों का साथ आना रास नहीं आ रहा। 'यह कोई छोटी बात नहीं, बहुत बडी बात है!' यह पूछे जाने पर कि क्या यह एकता का प्रदर्शन महज दिखावा है या राजनीतिक तालमेल में बदलेगा, उद्धव ने कहा, 'हम 20 साल बाद एक साथ आए हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है - यह बहुत बडी बात है। आज हमारे भाषण से ज्यादा महत्वपूर्ण हमारा एक साथ होना है।' उन्होंने साफ किया कि फिलहाल राजनीति उनकी तत्काल प्राथमिकता नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं मराठी भाषा, महाराष्ट्र के धर्म और मराठी लोगों के लिए जो भी जरूरी होगा, करने को तैयार हूं।' इससे साफ जाहिर होता है कि उद्धव पहले 'मराठी अस्मिता' और सांस्कृतिक एकजुटता पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। महाविकास अघाडी और मनसे के साथ तालमेल महाविकास अघाडी (एमवीए) गठबंधन और आगामी स्थानीय चुनावों पर पूछे गए सवालों के जवाब में, उद्धव ने बताया कि चचाएं अभी जारी हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस स्थानीय स्तर पर फैसले लेने के लिए स्वतंत्र है और अगर ऐसा होता है, तो उनकी पार्टी उसी के अनुसार जवाब देगी। यह पूछे जाने पर कि क्या मनसे के साथ आने से एमवीए की गतिशीलता प्रभावित हो सकती है, उन्होंने स्पष्ट किया, 'मुंबई राजनीतिक रूप से महाराष्ट्र से अलग नहीं है। यह राजधानी है। हर नगर निगम को स्वायत्तता प्राप्त है। हर इकाई वही करेगी जो राजनीतिक रूप से सही होगा।' इसका मतलब है कि ठाकरे बंधुओं का मिलन मुंबई की स्थानीय राजनीति को भी प्रभावित कर सकता है, और एमवीए के भीतर समीकरण बदल सकते हैं।

संपादकीय

ट्रंप के दावों पर यकीन करती कांग्रेस

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में रुचि रखने वाला हर व्यक्ति संभवतः यह अच्छे से समझ गया होगा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप विचित्र दावे करते रहते हैं। वे कई बार निराधार टिप्पणियां करते हैं और फिर उनसे पीछे भी हट जाते हैं, लेकिन शायद भारत के विपक्षी दलों और विशेष रूप से कांग्रेस को ट्रंप पर कुछ ज्यादा ही भरोसा है। ट्रंप ने यह दावा किया कि पहलगाम में आतंकी हमले के जवाब में भारत की सेना के आपरेशन सिंदूर के चलते भारत-पाकिस्तान में हुए टकराव के दौरान पांच लड़ाकू विमान मार गिराए गए। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये विमान किस देश के थे, लेकिन कांग्रेस के नेता तत्काल इस नतीजे पर पहुंच गए कि ये लड़ाकू विमान भारत के रहे होंगे। उन्होंने ट्रंप के इस बेकार के दावे की सच्चाई जानने की जरूरत जता दी। यह जरूरत कांग्रेस के किसी प्रवक्ता ने नहीं, बल्कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने जताई। ऐसा लगता है कि उन्हें न तो भारत की सरकार पर भरोसा है और न ही भारतीय सेना पर। यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस आपरेशन सिंदूर के मामले में उन अधकचरे एवं भारत विरोधी दावों को तूल दे रही है जो पाकिस्तान और चीन के नेताओं ने किए और यदाकदा अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी। सब जानते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति का यह दावा खोखला है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम करवाया और दोनों देशों के बीच परमाणु युद्ध की आशंका को टाला। उनके इस दावे पर कोई यकीन नहीं कर रहा है। खुद भारतीय प्रधानमंत्री उनसे फोन पर दो टूक यह कह चुके हैं कि कथित संघर्ष विराम में अमेरिका की वैसी कोई भूमिका बिल्कुल भी नहीं थी जिसका दावा किया जा रहा है। भारतीय प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति से यह भी कहा था कि कश्मीर पर भारत की जो नीति है, वह यथावत है और उसमें कोई बदलाव होने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता, लेकिन कांग्रेस यह समझने को तैयार नहीं। कांग्रेस और विपक्षी दलों के नेता इससे अच्छी तरह परिचित हैं कि कश्मीर, आपरेशन सिंदूर एवं अन्य अनेक मामलों में उनके बयानों का पाकिस्तान, चीन एवं अन्य भारत विरोधी ताकतों ने इस्तेमाल किया है और अपने पक्ष में भुनाया भी है, लेकिन उन्हें इसकी कोई परवाह नहीं। सबसे दुर्भाग्य की बात यह है कि जो कांग्रेस लंबे समय तक केंद्र की सत्ता में रही और विदेश नीति की बारीकियों से परिचित है, वह बचकाना व्यवहार कर रही है। ऐसा तो कई क्षेत्रीय दल भी नहीं कर रहे हैं। कांग्रेस एवं कुछ अन्य दलों के नेता इस इंतजार में बैठे दिखते हैं कि पाकिस्तान, चीन, अमेरिका अथवा किसी अन्य देश से कब भारतीय हितों के प्रतिकूल बयान आए और वे सरकार को घेरें। यह वह रवैया है जो इन नेताओं की विश्वसनीयता पर चोट भी कर रहा है।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साध उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए।

चिंतन-मनन

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मो का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मो के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

आदिवासी महिलाओं का संपत्ति पर अधिकार का ऐतिहासिक फैसला

राज कुमार सिन्हा

गुरुवार को सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि लिंग के आधार पर आदिवासी महिलाओं को उत्तराधिकार के अधिकार से वंचित करना असंवैधानिक है और पैतृक संपत्ति पर उनके समान अधिकार की पुष्टि की है। फैसले में कहा गया है किसी आदिवासी महिला या उसके कानूनी उत्तराधिकारियों को केवल लिंग के आधार पर पैतृक संपत्ति में हिस्सा देने से इनकार करना अनुचित और असंवैधानिक दोनों है। इस फैसले ने आदिवासी समुदायों में महिलाओं के समान उत्तराधिकार अधिकारों की पुष्टि की है। इस फैसले ने लंबे समय से चली आ रही धारणा को पलट दिया कि ऐसे अधिकारों को प्रतिबंधित करने वाले रीति-रिवाजों को तब तक अस्तित्व में माना जाना चाहिए जब तक कि अन्यथा साबित न हो जाए।हालांकि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम (एचएसए), 1956 अनुसूचित जनजातियों (एसटी) पर लागू नहीं होता, फिर भी अदालत ने स्पष्ट किया कि इस अपवाद का यह अर्थ नहीं निकाला जा सकता है कि आदिवासी महिलाएं पैतृक संपत्ति की उत्तराधिकारी नहीं हैं। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि जब तक कोई विशिष्ट प्रथागत प्रतिबंध सिद्ध न हो जाए, समानता कायम रहनी चाहिए।न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह फैसला छत्तीसगढ़ की एक अनुसूचित जनजाति की महिला के कानूनी उत्तराधिकारियों से जुड़े एक मामले में सुनाया, जिसने अपने नाना की संपत्ति में हिस्सा मांगा था। उनके दावे का परिवार के पुरुष सदस्यों ने विरोध किया और तर्क दिया कि आदिवासी रीति-रिवाज महिलाओं को उत्तराधिकार से वंचित करते हैं। जबकि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट और नीचली आदालतों से याचिका खारिज कर दिया गया था। इस फैसले ने आदिवासी समुदायों में महिलाओं के समान उत्तराधिकार अधिकारों की पुष्टि की है। इस फैसले ने लंबे समय से चली आ रही धारणा को पलट दिया है कि ऐसे अधिकारों को प्रतिबंधित करने वाले रीति-रिवाजों को तब तक अस्तित्व में माना जाना चाहिए जब तक कि अन्यथा साबित न हो जाए।

हाईकोर्ट और निचली अदालतों के निष्कर्षों को पलटते हुए, उच्चतम न्यायालय ने निचली अदालतों के दृष्टिकोण की आलोचना की, जिसमें महिलाओं को उत्तराधिकार की अनुमति देने वाली प्रथा को साबित करने की आवश्यकता बताई गई थी।

पीठ ने कहा कि महिलाओं, जिनमें मुकदमे में शामिल महिलाएं भी शामिल हैं, को उत्तराधिकार से वंचित करना अनुचित और भेदभावपूर्ण दोनों है। न्यायालय ने आगे कहा कि ज़िम्मेदारी किसी भी मौजूदा प्रथा को साबित करने की है जो पैतृक संपत्ति पर उनके अधिकार को प्रतिबंधित करती है।पीठ ने पहले के फैसलों को खारिज करते हुए कहा कि हमारा दृढ़ मत है कि न्याय, समानता और अच्छे विवेक के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, संविधान के अनुच्छेद 14 के व्यापक प्रभाव के साथ, अपीलकर्ता-वादी, संपत्ति में अपने समान हिस्से के हकदार हैं। संविधान का अनुच्छेद 14 कानून के सामने समानता की गारंटी देता है, जबकि अनुच्छेद 15 धर्म,जाति, लिंग, नस्ल और जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव को रोकता है।

यह फैसला व्यापक महत्व रखता है क्योंकि यह आदिवासी समुदायों में लैंगिक न्याय के बारे में चल रही बहस पर पुनर्विचार करता है और उसे और पुष्ट करता है, खासकर संहिताबद्ध व्यक्तिगत कानूनों के अभाव में। हालांकि एचएसए, धारा 2(2) के तहत, अनुसूचित जनजाति के सदस्यों को इसके दायरे से स्पष्ट रूप से बाहर रखता है, जब तक कि केंद्र सरकार अन्यथा अधिसूचित न करे, सर्वोच्च न्यायालय ने अब स्पष्ट किया है कि इस तरह की वैधानिक चुप्पी संस्थागत असमानता का आधार नहीं बन सकती।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस कृष्ण मुरारी की पीठ ने 2022 में कमला नेती बनाम विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी के केस में आदिवासी महिलाओं के संपत्ति अधिकारों को लेकर एक अहम फैसला सुनाया। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 में आवश्यक संशोधन करके आदिवासी महिलाओं को भी संपत्ति में समान अधिकार प्रदान किए जाएं। सुप्रीम कोर्ट के इस मत से यह स्पष्ट है कि कोर्ट आदिवासी महिलाओं को पुरुषों के बराबर संपत्ति पर अधिकार देना चाहता है।

ज्ञात हो कि दिसंबर 2024 के अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आदिवासी महिलाओं को समान उत्तराधिकार का अधिकार देने से परहेज किया था।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर टिप्पणी देते हुए भारत जन आंदोलन के विजय भाई ने कहा कि परम्परा एवं मौलिक अधिकार (संविधान का मूल ढांचा तत्व) के बीच को व्याख्या करते हुए न्यायमूर्ति ने मौलिक अधिकार को प्राथमिकता दी है।यह भी समझना होगा कि कोई भी परम्परा मौलिक अधिकार के विरुद्ध जाता है तो वो परम्परा खारिज हो जाता है। इसलिए आदिवासी परम्परा की जब भी बात करेंगे तो हमारी समतामूलक और सामूहिकता तत्वों के साथ - साथ सबसे पहले प्रत्यक्ष लोकतंत्र को ही प्रधानता देना होगा। बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ के राज कुमार सिन्हा ने कहा कि आदिवासी समुदाय पर संविधान द्वारा प्रदत अनुच्छेद 13 की दुहाई देते हुए रूढ़ी प्रथा के नाम पर अपनी महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक आजादी का हनन करने का आरोप भी लगता रहा है। जबकि आदिवासी समुदाय में दूसरे समुदायों से ज्यादा खुलापन है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय, व्याप्त अंधकार में एक किरण की तरह उभरता है, जो आदिवासी समुदाय में हलचल पैदा करेगा।

संसद का मानसून सत्र हंगामेंदार होने की उम्मीदें

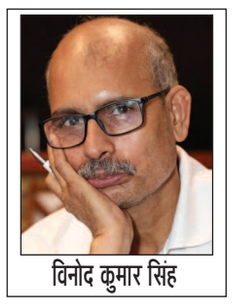

विनोद कुमार सिंह

संसद का वर्तमान मानसून सत्र में विपक्षी पार्टियों ने सरकार को 4 ज्वलंत मुद्दों पर घरने का प्रयास करेगी...

संसद का यह मानसून सत्र हंगामेंदार होने की उम्मीदें है। संसद का वर्तमान मानसून सत्र में विपक्षी पार्टियों ने सरकार को 4 ज्वलंत मुद्दों पर घरने का प्रयास करेगी आप को बता दें कि जम्मू कश्मीर में हुए पहलगाम हमले व ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला संसद सत्र है।मानसुन सत्र से पहले केन्द्र सरकार ने इस संदर्भ में रविवार की सुबह नई दिल्ली स्थिति संसद परिसर स्थित एन्जसी में सर्वदलीय बैठक बुलाई थी।इस बैठक में कई दलों के नेताओं ने भाग लिया। इस बैठक के विभिन्न राज नीतिक दलों के प्रतिनिधियों के अनुसार संसद का वर्त्तमान सत्र के दौरान विपक्षी दलों द्वारा जम्मू कश्मीर में हुए हमले ऑपरेशन सिंदूर,मतदाता सुची में सुधार व वक्फ बिल अंहम जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है।सर्वविदित रहें कि संसद का यह सत्र 21जुलाई 25 से 21अगस्त 25 तक चलेगा।वहीं स्वतंत्रता दिवस के मदेनजर 13और14अगस्त को संसद की बैठक नहीं होगी।

संसद के वर्तमान मानसून सत्र में विपक्ष दल द्वारा कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है।विपक्ष इन सभी मुद्दों को सदन के पटल पर उठाने की योजना बना रहा है।सर्वविदित रहें कि विगत दिनों 24 पार्टियों ने एक-साथ बैठक की थी , जिसमें4 बड़े मुद्दों को फैसला किया गया है।इनमें पहलगाम हमले में हुई सुरक्षा चूक,ऑपरेशन सिंदूर में . विदेश नीति की नाकामयाबी,बिहार चुनाव से पहले मतदाता सूची में बदलाव व जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने जैसे मुद्दे शामिल हैं।इस मानसून सत्र के दौरान केंद्र सरकार कई बड़े बिल पेश करने और कुछ अंहम बिल पास करवाने की तैयारी में है। लोकसभा में मणिपुर माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2025 जन विश्वास(प्रावधानों में संशोधन) विधेयक 2025,भारतीय प्रबंधन संस्थान(संशोधन)विधेयक 2025, कराधान कानून(संशोधन) विधेयक 2025,विरासत स्थल और भू- अवशेष(संरक्षण और रखरखाव) विधेयक 2025,खान और खनिज (विकास और विनियमन)संशोधन विधेयक 2025,राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक 2025,राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन)विधेयक 2025 प्रमुख है।भारतीय राजनीति पर विशेष नजर रखने वाले राजनीति पंडितयों का मानना है।संसद का यह मानुसन सत्र हंगामेदार होने वाली है।विपक्षी दलों के सांसद द्वारा सभी पार्टी के नेता राष्ट्रीय व क्षेत्रीय समस्यायें के मुद्धा बनाने सरकार को घरने का भरसक प्रयास करेगी।वही भाजपा व उसके सहयोगी दल विपक्ष को करारा जबाब देने का मन बनाया है। रविवार की सुबह संसद के मानसून सत्र के केन्द्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष द्वारा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, पहलगाम आतंक वादी हमले सहित विभिन्न मुद्दों को उठाए जाने की संभावना है।इस संदर्भ में लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने कहा,इस सत्र में हम जिन मुद्दों को महत्वपूर्ण मानते हैं,उनमें पहलगाम भी शामिल है।हमारी सीमाओं पर संघर्ष खास कर उन देशों के साथ जो दो मोर्चों पर एक साथ आ रहे हैं।इ आज बिहार में विशेष गहन पुन निरीक्षण से जुड़ी चिंताओं विपक्ष की है।इन सभीअंहम मुद्दों पर,सरकार के मुखिया होने के नाते,प्रधानमंत्री का यह कर्तव्य व नैतिक दायित्व है कि वे संसद के गलियारों के माध्यम से राष्ट्र को संबोधित करें।मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री अपना नैतिक और नैतिक कर्तव्य निभाएँगे।इराज्यसभा में आप के सांसद संजय सिंह का कहना है कि संसद में उठाए जाने वाले मुद्दे व रण नीति तैयार हैं।पीएम मोदी से इन मुद्दों पर जवाब देने के लिए संसद में मौजूद रहने की मांग की है।संजय सिंह ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सीजफायर पर किए गए दावे, ऑपरेशन सिंदूर और बिहार में एसआईआर जैसे अंहम मुद्दे हैं,जो संसद के भीतर उठाए जाएंगे।पहला सवाल देश की सुरक्षा से जुड़ा है।जिस तरह से अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार दोहरा रहे हैं कि उन्होंने व्यापार समझौते के नाम पर युद्ध विराम कराया है,उस पर भारत सरकार को स्पष्टीकरण स्वंय प्रधान मंत्री को संसद मे स्वयं आकर इस पर बयान देना चाहिए।वे 5 विमानों को भी गिराए जाने की बात बोल रहे हैं,यह उनका काम नहीं है।उन्होंने कहा कि मैं संसद के भीतर यह मुद्दा उठाउंगा।आज दिल्ली में बुलडोजर कार्रवाई हो रही है।प्रधानमंत्री के गारंटी कार्ड देने के बाद यूपी,बिहार और पूर्वांचल के लोग जो छोटी दुकानें और ठेले लगाकर अपना जीवन बिताते हैं,उन्हें उजाड़ दिया गया है।हम राष्ट्रीय मुद्दों के साथ ही दिल्ली के भी प्रमुख मुद्दों को उठाएंगे।उन्होंने व्यापार समझौते को बातचीत का कार्ड बनाकर युद्ध विराम करवाया।सरकार को इस पर स्पष्टीकरण देना चाहिए।इ बिहार में सर,यह कवायद बंद होनी चाहिए चुनावी घोटाला चल रहा है...अगर सरकार जवाब नहीं देती है,तो हम सदन के अंदर और बाहर सवाल

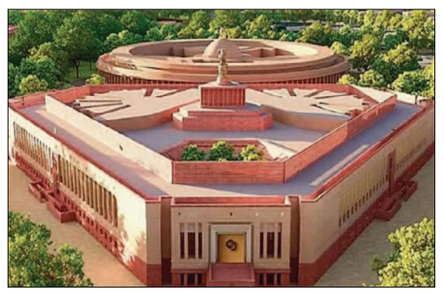

उठाएँगे...इआज की इस बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भाग लिया,जहां सरकार का प्रतिनिधित्व संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और उनके कनिष्ठ मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने किया।कांग्रेस के गौरव गोगोई और जयराम रमेश,एनसीपी- शरद पवार की सुप्रिया सुले,डीएमके के टीआर बालू और आरपीआई (ए) नेता केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले के सभी राजनीतिक दलो के नेता शामिल हुए ।असली तस्वीरें तो संसद के अन्दर देखने को मिलेगी।जब सता पक्ष - विपक्ष आमने -समानें सदन के पटल पर अपनी बातें रखेगी। भारतीय संसदीय के इतिहास इस बात का साक्षी है। भारतीय संविधान निमार्ताओं नें विद्यायी शक्तियों के लिए कानुन बनाने ' जनता के हितो के कल्याण व हितों के रक्षा लिए प्रावधान किया है।संसद का सत्र चलाने जनता की गाढ़ी कमाई के पैसे को खर्च किया जाता है।संसद का सत्र जनता के हितो को स्वस्थ चर्चा व कानून व्यवस्था पर जन प्रतिनिधियों के लिए सुदृढ निर्णय लेने के लिए किया लेकिन जनता के प्रतिनिधि के जब संसद के मंदिर में अपने पार्टी व नीजी स्वार्थो से उपर उठकर जनता व जन मानस की समस्याओं के निराकरण हेतु स्वस्थ्य चर्चा व जन हित में फैसले लेगें।

मोतिहारी से मोदी का चुनावी बिगूल

बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गढ़ माने-जाने वाला पूर्वी चम्पारण जिले के मोतिहारी शहर से आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए का परचम लहराने का आगाज किया ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री अपने बिहार दौरे के क्रम में मोतिहारी में 7196 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित किया। जिनमे 5988 करोड़ की रेलवे और 1173 करोड़ की सड़क परियोजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं में रेल, सड़क, ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों से जुड़ी विकास परियोजनाएं है।

सम्पटर्क और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री अनेक रेल परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित किया। इसमें समस्तीपुर-बछवाड़ा रेल लाइन के बीच स्वचालित सिग्नलिंग शामिल है, जिससे इस खंड पर कुशल रेल संचालन संभव होगा। दरभंगा-थलवाड़ा और समस्तीपुर-रामभद्रपुर रेल लाइनों का दोहरीकरण, 580 करोड़ रुपये से अधिक की दरभंगा-समस्तीपुर दोहरीकरण परियोजना का हिस्सा है और इससे रेल संचालन की क्षमता बढ़ेगी और देरी में कमी आएगी।

प्रधानमंत्री अनेक रेल परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। रेल परियोजनाओं में पाटलिपुत्र में वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव हेतु बुनियादी ढाँचे का विकास शामिल है। भटनी-छपरा ग्रामीण रेल लाइन (114 किमी) पर स्वचालित सिग्नलिंग से सुव्यवस्थित रेल संचालन संभव होगा। कर्षण प्रणाली के बुनियादी ढाँचे को मजबूत बनाकर और ऊर्जा दक्षता में सुधार करके भटनी-छपरा ग्रामीण खंड में ट्रेनों की गति बढ़ाने के लिए कर्षण प्रणाली का आधुनिकीकरण किया जाएगा। लगभग 4,080 करोड़ रुपये की लागत वाली दरभंगा-नरकटियागंज रेल लाइन दोहरीकरण परियोजना से रेल लाइन की क्षमता बढ़ेगी, अधिक यात्री और मालगाड़ियों का संचालन संभव होगा और उत्तर बिहार और देश के बाकी हिस्सों के बीच संपर्क मजबूत होगा।क्षेत्र में सड़क बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री एनएच-319 पर 4-लेन के आरा बाईपास की आधारशिला रखेंगे, जो आरा-मोहनिया एनएच-319 और पटना-बक्सर एनएच-922 को जोड़ेगा, जिससे निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा और यात्रा का समय बचेगा। प्रधानमंत्री ने 820 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले एनएच-319 के परारिया से मोहनिया तक 4-लेन वाले खंड का भी उद्घाटन किया । यह एनएच-319 का वह हिस्सा है जो आरा शहर को एनएच-02 (स्वर्णिम चतुर्भुज) से जोड़ता है। इससे माल और यात्री यातायात में सुधार होगा। इसके अलावा, एनएच-333सी पर सरवन से चकाई तक पक्की सड़क के साथ 2-लेन का निर्माण भी किया जाएगा, जिससे माल और लोगों की आवाजाही सुगम

होगी और बिहार और झारखंड के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम करेगा।

प्रधानमंत्री ने दरभंगा में नए सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) और पटना में एसटीपीआई की अत्याधुनिक इनक्यूबेशन सुविधा का उद्घाटन किया , जिसका उद्देश्य आईटी/आईटीईएस/ईएसडीएम उद्योग और स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। ये सुविधाएँ आईटी सॉफ्टवेयर और सेवा निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करेंगी। यह नवोदित उद्यमियों के लिए तकनीकी स्टार्टअप इको सिस्टाम का पोषण भी करेगा और नवाचार, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और उत्पाद विकास को प्रोत्साहित करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्रव मोदी ने बिहार में मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के अंतर्गत मंजूर मत्स्य विकास परियोजनाओं की एक श्रृंखला का उद्घाटन भी किया। यह बिहार के विभिन्न ज़िलों में नए मछली पालन केन्द्रद (हैचरी), बायोफ्लोक इकाइयाँ, सजावटी मछली पालन, एकीकृत जलीय कृषि इकाइयाँ और मछली चारा मिलों सहित आधुनिक मत्स्य पालन अवसंरचना का शुभारंभ होगा। जलीय कृषि परियोजनाएँ रोजगार के अवसर पैदा करने, मत्स्य उत्पादन बढ़ाने, उद्यमिता को बढ़ावा देने और बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने में मदद करेंगी।भविष्य के लिए तैयार रेलवे नेटवर्क की अपनी कल्प ना के अनुरूप, प्रधानमंत्री राजेन्द्रा नगर टर्मिनल (पटना) से नई दिल्ली, बापूधाम मोतिहारी से दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल), दरभंगा से लखनऊ (गोमती नगर) और मालदा टाउन से लखनऊ (गोमती नगर) के बीच भागलपुर के रास्ते चार नई अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाया, जिससे क्षेत्र में कनेक्टिविटी में सुधार होगा। वहीं प्रधानमंत्री ने दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) के अंतर्गत बिहार में लगभग 61,500 स्वयं सहायता समूहों को 400 करोड़ रुपये भी जारी की। महिला-नेतृत्व वाले विकास पर विशेष ध्यान देते हुए, 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जोड़ा गया है। प्रधानमंत्री 12,000 लाभार्थियों के गृह प्रवेश के तहत कुछ लाभार्थियों को चाबियाँ भी सौंपा और प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के 40,000 लाभार्थियों को 160 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी किया ।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरबी भारत को आगे बढ़ाने के लिए हमें बिहार को विकसित बिहार बनाना है।आज बिहार में इतनी तेजी से काम इसलिए हो रहा है, क्योंकि केंद्र और राज्य में बिहार के लिए काम करने वाली सरकार है। बिपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं आपको एक आंकड़ा देता हूं, जब केंद्र में कांग्रेस और आरजेडी की सरकार थी, तो यूपीए के 10 साल में बिहार को सिर्फ दो लाख करोड़ रुपए के आसपास मिले,10 साल में दो लाख करोड़ के आसपास यानि नीतीश जी की सरकार से ये लोग बदला ले रहे थे, बिहार से बदला ले रहे थे। 2014 में, केंद्र में आपने मुझे सेवा करने का अवसर दिया, केंद्र में आने के बाद मैंने बिहार से बदला लेना वाली इस पुरानी राजनीति को भी समाप्त कर दिया।पिछले 10 साल में, एनडीए के 10 वर्षों में बिहार के विकास के लिए जो राशि दी गई है, वो पहले से कितना गुना ज्यादा ह उसका आंकड़ा अभी हमारे सम्राट चौधरी जी बता रहे थे। इतने लाख करोड़ रुपए दिए गए हैं ।यानि कांग्रेस और आरजेडी के मुकाबले कई गुना ज्यादा पैसा बिहार को हमारी सरकार ने दिया है। ये पैसा बिहार में जनकल्याण के काम आ रहा है, ये पैसा विकास परियोजनाओं में काम आ रहा है।आज की पीढ़ी को जानना जरूरी है कि बिहार दो दशक पहले किस तरह हताशा में डूबा हुआ था। आरजेडी और कांग्रेस के राज में विकास पर ब्रेक था, गरीब का पैसा गरीब तक पहुंचना असंभव था, जो शासन में थे उनमें बस यही सोच थी कि कैसे गरीब के हक का पैसा लूट लें, लेकिन बिहार असंभव को भी संभव बनाने वाले वीरों की धरती है, परिश्रमियों की धरती है। आप लोगों ने इस धरती को आरजेडी और कांग्रेस की बेड़ियों से मुक्त किया, असंभव को संभव बनाया, उसी का परिणाम है, आज बिहार में गरीब-कल्याण की योजनाएँ सीधे गरीबों तक पहुँच रही हैं। पिछले 11 वर्षों में पीएम आवास योजना के तहत देश में गरीबों के लिए 4 करोड़ से ज्यादा घर बनाए गए हैं। इनमें से करीब 60 लाख घर अकेले बिहार में गरीबों के लिए बनाए गए हैं। यानी, दुनिया में नॉर्वे, न्यूजीलैंड और सिंगापुर जैसे देशों की जितनी कुल आबादी है, उससे ज्यादा लोगों को हमने अकेले बिहार में गरीबों को पक्के घर दिये हैं। बिहार से आगे जाकर मैं बताता हूं, हमारे अकेले मोतिहारी जिले में ही 3 लाख के करीब हमारे गरीब परिवारों को पक्के घर मिले हैं। और, ये गिनती लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। आज भी यहां 12 हजार से ज्यादा परिवारों को अपने पक्के घर में गृह प्रवेश का सौभाग्य मिला है। 40 हजार से ज्यादा गरीबों को अपना पक्का घर बनाने के लिए बैंक में, उनके खाते में सीधे पैसे भेजे गए हैं, इसमें से ज्यादातर लोग मेरे दलित भाई-बहनें हैं, मेरे महादलित भाई-बहन है, मेरे पिछड़े परिवारों के भाई-बहनें हैं। आप भी जानते हैं, आरजेडी और कांग्रेस के राज में गरीब को ऐसे पक्के घर मिलना असंभव था, जिन लोगों के राज में लोग अपने घरों में रंग-रौगान तक नहीं करवाते थे, डरते थे कि अगर रंग और रौगान हो गया तो पता नहीं कि मकान मालिक को ही उठवा लिया जाएगा, ऐसे आरजेडी वाले कभी आपको पक्का घर नहीं दे सकते थे।आज बिहार आगे बढ़ रहा है, तो इसके पीछे सबसे बड़ी ताकत बिहार की माताओं-बहनों की है। और मैं आज देख रहा था, लाखों बहनें हमें आशीर्वाद दे रही थी, ये दृश्य दिल को छूने वाला था। एनडीए द्वारा उठाए जा रहे एक-एक कदम का महत्व बिहार की माताएं-बहनें, यहां की महिलाएं अच्छी तरह समझती हैं। यहां इतनी बड़ी संख्या में माताएं-बहनें आई हैं, आप याद करिए, जब आपको अरे 10 रुपया भी, अगर आपके पास है तो छिपाकर के रखना पड़ता था। ना बैंकों में खाता होता था, ना कोई बैंकों में घुसने देता था, गरीब का स्वाभिमान क्या होता है, ये मोदी जानता है। मोदी ने बैंकों से कहा गरीब के लिए दरवाजे कैसे नहीं खोलेंगे? और हमने इतना बड़ा अभियान चलाकर जनधन खाते खुलवाए। इसका बहुत बड़ा लाभ मेरे गरीब परिवार की महिलाओं को हुआ। बिहार में भी करीब साढ़े 3 करोड़ महिलाओं के जनधन खाते खुले। इसके बाद हमने सरकारी योजनाओं का पैसा सीधा इन खातों में भेजना शुरू किया। अभी कुछ दिन पहले ही मेरे मित्र नीतीश जी की सरकार ने और अभी घोषणा भी कर रहे थे, वृद्ध, दिव्यांग और विधवा माताओं को मिलने वाली पेंशन को 400 रुपए से बढ़ाकर 1100 रुपए महीने प्रति के हिसाब से कर दिया, ये पैसा सीधे आपके बैंक खाते में ही तो जाएगा। ...

मंडी धनौरा में पुलिस और मुस्लिम समाज के लोगों ने पेश की सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल

पुलिस अधिकारियों व मुस्लिम समाज के लोगों ने कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर किया अभिवादन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- श्रावण मास का पावन माह चल रहा है। जिसके चलते शिव भक्त हरिद्वार, गौमुख ,ऋषिकेश व बृजघाट आदि तीर्थ स्थानों से भगवान शिव पर जलाभिषेक करने हेतु जल लेकर पैदल यात्रा करके लौट रहे हैं। जिनकी सुरक्षा व्यवस्था हेतु शासन प्रशासन द्वारा भी पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। जिससे कि यात्रा करने वाले किसी भी शिवभक्त को किसी भी प्रकार के असुविधा का सामना न करना पड़े। जगह-जगह पूरे जनपद में कावड़ियों की सेवा के लिए भंडारे आदि का आयोजन कराया जा रहा है। जिसमें लोग जगह-जगह शिव भक्तों की सेवा हेतु तत्पर हैं ।उसी क्रम में मंडी धनौरा क्षेत्र में पुलिस प्रशासन एवं मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल पेश की है। बता दें कि रविवार को पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद के निर्देश अनुसार मंडी धनोरा क्षेत्र की सी ओ अंजलि कटारिया के नेतृत्व में बछरायूं थाना प्रभारी प्रमोद कुमार ने अन्य पुलिस कर्मियों को साथ लेकर जल लेकर वापस लौट रहे शिव भक्तों पर पुष्प वर्षा करते हुए उनका उत्साह वर्धन किया और अभिवादन किया। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोगों ने भी पुलिस के साथ मिलकर जल लेकर लौट रहे शिव भक्तों पर फूलों की बरसात की और उनकी सेवा करते हुए सांप्रदायिक सौहार्ट की एक मिसाल समाज के सामने पेश की। यह नजारा उस वक्त देखने को मिला जब शिव भक्त हरिद्वार ऋषिकेश और गोमुख आदि स्थानों से जल लेकर लौट रहे थे। इस मौके पर खास बात यह रही की इस आयोजन में मुस्लिम समाज के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया साथ ही भगवान भोलेनाथ के जयकारों से उन्होंने कावड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए अभिवादन किया। इस दौरान कांवड़ियों ने भी इस प्रेम व सम्मान को हाथ जोड़कर स्वीकार किया और हर-हर महादेव और भोलेनाथ की जय घोष से वहां के माहौल को भक्तिमय बना दिया।

थाना अमरोहा देहात पुलिस द्वारा मंदिर से दानपात्र चोरी किये जाने की घटना का पुलिस ने किया खुलासा

चोरी किये हुए 2000/- रु0 व घटना में प्रयुक्त मो0 सा0 बरामद

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी नौगाँवा सादात अवध भान सिंह भदोरिया के पर्यवेक्षण में थाना अमरोहा देहात पुलिस द्वारा मंदिर से दानपात्र चोरी किये जाने की घटना का अनावरण कर अभियुक्त को चोरी किये हुए 2000/- तथा घटना में प्रयुक्त मो0सा0 सहित गिरफ्तार किया गया है। ज्ञात रहे कि अतरासी रोड फ्लाईओवर के नीचे मंदिर से दान पात्र चुरा लिया गया था। घटना के सम्बन्ध में थाना अमरोहा देहात पर मु0अ0सं0 219/25 धारा 305 बीएनएस पंजीकृत किया गया। थाना अमरोहा देहात पुलिस द्वारा लगभग 300 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक की गयी तो मंदिर से दानपात्र चोरी करने वाले अभियुक्त की पहचान मोनू पुत्र नरेश निवासी ग्राम फरीदपुर थाना रजबपुर जनपद अमरोहा व उसके एक अन्य साथी के रुप में हुई। शनिवार की रात्रि थाना अमरोहा देहात पुलिस द्वारा अभियुक्त मोनू पुत्र नरेश निवासी ग्राम फरीदपुर थाना रजबपुर जनपद अमरोहा को गिरफ्तार किया गया। जिसकी कब्जे से मंदिर से चोरी किये हुए 2000/- नगद व घटना में प्रयुक्त मो0सा0 बरामद हुई। शेष अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम प्रयासरत है।

दुकान का शटर तोड़कर चोरो ने लाखों के माल पर किया हाथ साफ

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर में शुक्रवार की मध्य रात्रि में चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर उसमें रखे लाखों रुपए के समान पर हाथ साफ कर मौके से फरार हो गए। इस घटना का पता दुकान स्वामी को उस वक्त लगा जब वह शनिवार को अपनी दुकान खोलने के लिए वहां पहुंचा। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर कोतवाली के मोहल्ला विजयनगर का है जहां पर मोहल्ला निवासी विमल कुमार ने अपनी किराने की दुकान खोल रखी है। शुक्रवार की रात विमल कुमार अपनी दुकान बंद करके अपने घर चले गए थे। इस दौरान शुक्रवार और शनिवार की मध्य रात्रि के आसपास कुछ अज्ञात तो चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर उसमें रखे लाखों के माल पर हाथ साफ कर दिया और मौके से फरार हो गए। इस घटना का पता विमल कुमार को शनिवार की सुबह उसे वक्त लगा जब वह रोजाना की तरह दुकान खोलने के लिए अपनी दुकान पर पहुंचा तो उसने देखा कि उसकी दुकान का शटर टूटा हुआ था। यह देखकर उसके होश उड़ गए इसके बाद उन्होंने अपनी दुकान के अंदर जाकर देखा तो सारा सामान गायब था। इसके बारे में विमल कुमार ने बताया कि इस घटना में लगभग ड्ड200000 का उसका नुकसान हुआ है। फिलहाल उसने इस घटना की सूचना पुलिस को दे दी है पुलिस भी मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच पड़ताल कर उचित कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

जनपद में पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता- जिलाधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जनपद के सभी कृषक बंधुओं को सूचित करते हुए बताया कि जनपद में पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता है। शुक्रवार को जनपद में 7358 मी०टन यूरिया, 2209 मी०टन डी०ए०पी० एवं 3293 मी०टन एन०पी० के० उर्वरक उपलब्ध है। जनपद के किसानों से अपील है कि जोत के आकार और फसल की संस्तुति के अनुसार ही संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें। अधिक मात्रा में यूरिया उर्वरक का प्रयोग करने से फसलों की वानस्पतिक वृद्धि अधिक हो जाने के कारण फसलों में बीमारियों/रोगों की सम्भावना भी बढ़ जाती है। उर्वरक, कीटनाशी रसायन एवं सहकारी समिति से सम्बन्धित कोई समस्या या सुझाव देने के लिए कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम पर श्री अवनीश कुमार मोबाइल नंबर 8954963512, दिनेश कुमार मोबाइल नंबर 9149305622, प्रदीप कुमार मोबाइल नंबर 7839882774 उपस्थित रहेंगे। श्रीमती निधि गुप्ता वत्स ने जनपद अमरोहा के सभी उर्वरक आपूर्तिकर्ता संस्थाओं के प्रतिनिधियों, थोक उर्वरक विक्रेताओं तथा खुदरा उर्वरक / कृषि रक्षा रसायन विकेताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों को नियमानुसार ही उर्वरक और कृषि रसायनों का वितरण किया जाये। जनपद के सभी उर्वरक विक्रेताओं को यह भी निर्देशित किया जाता है कि किसानों को दी जाने वाली रसीद बुक. स्टॉक और सेल रजिस्टर अपडेटेड रखें। उर्वरक का भौतिक स्टॉक एवं पी०ओ०एस० मशीन का स्टॉक समान होना चाहिए तथा विकय केन्द्रों पर स्टॉक और रेट बोर्ड जरूर लगा हो किसी भी दशा में यदि ओवर रेटिंग या टैगिंग (मुख्य उर्वरकों के साथ जबरदस्ती अन्य उत्पादों को किसानो को विक्रय करना) की शिकायत प्रकाश में आती है तो नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

डीएम ने निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण 20 जुलाई से 10 अगस्त के मध्य किए जाने के दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निदेशों के क्रम में जिला पूर्ति अधिकारी रीना कुमारी ने अवगत कराया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत राशनकार्ड लाभार्थियों को माह अगस्त, 2025 के सापेक्ष निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण 20 जुलाई से शुरू होकर 10 अगस्त के मध्य किया जाएगा। उक्त अवधि में अन्त्योदय अन्न योजना के लाभार्थियों को प्रति कार्ड 14 किग्रा0 गेहूँ, 21 किग्रा० फोर्टिफाइड चावल (कुल 35 किग्रा० खाद्यान्न) एवं पात्र गृहस्थी योजना के राशनकार्ड धारकों/लाभार्थियों को 02 किग्रा0 गेहूँ प्रति यूनिट व 03 किग्रा० फोर्टिफाइड चावल प्रति यूनिट (कुल 05 किग्रा० खाद्यान्न) का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। 10 अगस्त तक ई-पॉस के माध्यम से आधार आधारित वितरण किया जायेगा, मोबाइल ओ.टी.पी. वेरीफीकेशन के माध्यम से वितरण की सुविधा 10 अगस्त को उपलब्ध रहेगी। उपरोक्तानुसार 10 अगस्त तक कार्डधारकों को पोर्टेबिलिटी के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं को प्राप्त करने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि आवश्यक वस्तुओं के वितरण के सम्बन्ध में जिलाधिकारी महोदया के निदेशों का अनुपालन करते हुए वितरण कार्य किया जायेगा, जिससे कोई भी लाभार्थी आवश्यक वस्तुएं प्राप्त करने से वंचित न रहे। जनपद के समस्त उचित दर विक्रेता, नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में खाद्यान्न का नियमानुसार वितरण करना सुनिश्चित करें।

40 किमी की मंजिल लेटकर तय करके सोमवार को प्रिंस करेगा शिवजी का जलाभिषेक

भगवान शिव के जलाभिषेक हेतु बृजघाट से पीठखेड़ा 40 किमी की दूरी लेटकर तय करेगा प्रिंस भोला

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- श्रावण मास के इस अवसर पर शिव भक्त पूर्ण रूप से भक्ति में लीन हो जाते हैं और भगवान शिव पर जल अभिषेक करने के लिए इस माह का बेसब्री से इंतजार करते हैं। श्रावण का महीना शुरू होते ही हरिद्वार, गोमुख, ऋषिकेश और ब्रजघाट जैसे तीर्थ स्थान पर शिव भक्तों का मेला लगना शुरू हो जाता है। इस माह में शिव भक्त भगवान शंकर पर जलाभिषेक हेतु तीर्थ स्थान से 50 50 लीटर तक जल अपने कंधों पर रखकर पैदल यात्रा करके आते हैं और शिव जी का जल अभिषेक करते हैं। इतना ही नहीं शिव भक्त भगवान शिव का आशीर्वाद लेने और उन्हें प्रसन्न करने हेतु तरह-तरह के तरीके अपनाते हैं। इसी क्रम में रविवार को गजरौला नगर क्षेत्र के हाईवे 9 पर एक शिव भक्त ऐसा भी देखा गया जो शिवजी पर जलाभिषेक करने हेतु लेट कर अपनी मंजिल को पूरा कर रहा था। बता दें कि अपनी मंजिल को लेट कर पूरा करने वाला यह शिव भक्त गांव पीठ खेड़ा का रहने वाला है जिसका नाम प्रिंस है।

जेठ से प्रेम संबंधों में बाधा बनी जेठानी को जलाकर गड्ढे में दबा दिया था जिंदा

अमरोहा। नौ साल पहले जेठ से प्रेम संबंधों में बाधा बन रही जेठानी को शौचालय में बंद कर जलाने के बाद उसे जिंदा ही गन्ने के खेत में गड्ढे में दबा दिया था। इस सनसनीखेज वारदात को आज भी क्षेत्र के लोग भूल नहीं है। कई साल तक चली सुनवाई के बाद न्यायालय ने हत्यारी देवरानी, देवर, सास समेत चार लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। घटना 19 सितंबर 2016 की रात आदमपुर थाना क्षेत्र के ढबारसी गांव में हुई थी। यहां रहने वाले अरुण त्यागी ट्रक चालक है। उनकी शादी नहीं हुई थी। छोटे भाई नोनू की शादी होने के बाद उसकी पत्नी कुमकुम से संबंध हो गए थे। कुमकुम और अरुण त्यागी के संबंधों की चर्चा पूरे गांव में थी। घटना से चार माह पहले अरुण त्यागी असम से एक तलाकशुदा महिला बिजली उर्फ बबली को पत्नी बनाकर घर ले आए थे, जिससे बाद अरुण त्यागी के छोटे भाई की पत्नी कुमकुम नाराज रहने लगी थी। अरुण त्यागी और कुमकुम के संबंधों के बीच बिजली उर्फ बबली बाधा बनी हुई थी। विरोध पर कुमकुम उसके साथ मारपीट करती थी। कुमकुम अपनी जेठानी बिजली उर्फ बबली को शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान करने लगी। घटना वाली रात करीब 12:30 बजे बिजली उर्फ बबली घर में बने बाथरूम में टायलेट के लिए गई थी। तभी मौके का फायदा उठाकर कुमकुम ने बाथरूम के जंगले से उस पर मिट्टी का तेल डाल दिया और आग लगा दी थी। चिल्लाने की आवाज सुनकर अन्य परिजन व मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और बाथरूम खोलकर बिजली उर्फ बबली को बाहर निकाला था। इस दौरान तक बिजली उर्फ बबली अस्सी फीसदी जल चुकी थी। दिखावे के लिए परिजनों ने बिजली को निजी डॉक्टर को दिखाया था। इस दौरान बिजली उर्फ बबली का पति अरूण घर पर नहीं था। जहां से उसे गंभीर हालत में रेफर कर दिया गया, लेकिन पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए कुमकुम ने सास कमलेश, पति नोनू और फुफेरे देवर अंकुर त्यागी के साथ मिलकर बिजली उर्फ बबली को जिंदा ही गन्ने के खेत में गड्ढा खोदकर दबा दिया था, जिसके बाद उसकी मौत हो गई थी। कांस्टेबल ने दर्ज कराई थी एफआईआर पुलिस को इसकी जानकारी हुई तो तत्कालीन कांस्टेबल तरुण धीमान ने अपनी तरफ से चारों के खिलाफ हत्या कर साक्ष्य छिपाने के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने कुमकुम की निशानदेही पर गन्ने के खेत में जमीन में गढ़ा बिजली का शव बरामद किया था। बाद में पुलिस ने चारों को न्यायालय के पेश कर जेल भेज दिया था। तीन महीने पहले चोरों को हुई उम्रकैद करीब नौ साल से मुकदमे की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय की अदालत में चल रही थी। 19 अप्रैल 2025 को न्यायालय ने मुकदमे में आखिरी सुनवाई की और साक्ष्यों व सबूतों के आधार पर आरोपी कमलेश, अंकुर त्यागी, नोनू और कुमकुम को दोषी करार दिया था। साथ ही चारों उम्रकैद की सजा सुनाई और 20-20 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया था।

ग्राम पंचायत को मॉडल ग्राम के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे: ग्राम प्रधान देवेंद्र कुमार

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जनपद अमरोहा उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के लिए जाना जाता है। इस जिले के विकास खंड जोया के अंतर्गत ग्राम पंचायत कैलसा एक ऐसी ग्राम पंचायत है, जो अपनी प्रगति और सामुदायिक विकास के लिए चर्चा में रही है। इस ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, देवेंद्र कुमार, ने अपने कार्यकाल में कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं। जिन्होंने न केवल ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया है, बल्कि ग्राम पंचायत को एक मॉडल ग्राम के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

ग्राम पंचायत कैलसा का परिचय

ग्राम पंचायत कैलसा, विकास खंड जोया के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण ग्रामीण इकाई है। यह क्षेत्र अपनी कृषि उत्पादकता और सामुदायिक एकता के लिए जाना जाता है। अमरोहा जिले में कुल 6 ब्लॉक और 576 ग्राम पंचायतें हैं, जिनमें से कैलसा एक ऐसी पंचायत है जो अपनी प्रगति के लिए उभर रही है। ग्राम प्रधान देवेंद्र कुमार ने अपने नेतृत्व में इस क्षेत्र में कई विकासात्मक योजनाओं को लागू किया है, जिनका उद्देश्य ग्रामीणों की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करना और उनके जीवन को सशक्त बनाना है। ग्राम प्रधान देवेंद्र कुमार ने ग्राम पंचायत कैलसा में बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। सड़कों का निर्माण और मरम्मत उनके कार्यकाल की प्राथमिकता रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बढ़ाने के लिए, उन्होंने पक्की सड़कों का निर्माण करवाया, जिससे गांव के विभिन्न हिस्सों को जोया और अमरोहा शहर से जोड़ा गया। इन सड़कों के निर्माण से न केवल किसानों को अपनी उपज मंडी तक ले जाने में आसानी हुई, बल्कि आपातकालीन सेवाओं जैसे एंबुलेंस और अग्निशमन वाहनों की पहुंच भी बेहतर हुई। इसके अतिरिक्त, गांव में जल निकासी की समस्या को हल करने के लिए नालियों का निर्माण करवाया गया। पहले बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या आम थी, जिससे बीमारियां फैलने का खतरा रहता था। देवेंद्र कुमार ने इस समस्या को गंभीरता से लिया और सुनियोजित नालियों के निर्माण के लिए पंचायती राज विभाग के साथ समन्वय स्थापित किया। शिक्षा के क्षेत्र में भी देवेंद्र कुमार ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। गांव के प्राथमिक विद्यालय की स्थिति को बेहतर करने के लिए उन्होंने स्कूल भवन की मरम्मत, नए कक्षाओं का निर्माण, और बच्चों के लिए बुनियादी सुविधाएं जैसे शौचालय और पीने का पानी उपलब्ध करवाया। इसके अलावा, उन्होंने डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना पर जोर दिया। महिलाओं और बच्चों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए, उन्होंने नियमित रूप से शिविरों का आयोजन किया, जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, और स्वच्छता जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इन शिविरों में आंगनवाड़ी कार्यकताओं और स्थानीय स्वयंसेवी संगठनों ने भी सहयोग किया। स्वच्छ भारत मिशन के तहत, ग्राम प्रधान ने गांव को खुले में शौच से मुक्त (ODF) बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने प्रत्येक घर में शौचालय निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया और इसके लिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठाया। गांव में कचरा प्रबंधन के लिए डस्टबिन की व्यवस्था की गई और नियमित सफाई अभियान चलाए गए। पर्यावरण संरक्षण के लिए, देवेंद्र कुमार ने वृक्षारोपण अभियान शुरू किया। गांव के स्कूल, पंचायत भवन, और सार्वजनिक स्थानों पर सैकड़ों पेड़ लगाए गए। इसके अलावा, ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जिसमें जल संरक्षण और जैविक खेती पर जोर दिया गया। महिला सशक्तिकरण के लिए, देवेंद्र कुमार ने स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को बढ़ावा दिया। इन समूहों के माध्यम से महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई, और अन्य छोटे-मोटे उद्यमों में प्रशिक्षण दिया गया। इसके परिणामस्वरूप, कई महिलाएं आत्मनिर्भर बनीं और अपनी आय से परिवार का सहयोग करने लगीं। युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम भी शुरू किए गए। इन कार्यक्रमों में तकनीकी प्रशिक्षण, जैसे कि मोबाइल रिपेयरिंग, इलेक्ट्रिकल वर्क, और कंप्यूटर प्रशिक्षण, शामिल थे। इन पहलों ने गांव के युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान किए। देवेंद्र कुमार ने सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए। उन्होंने विभिन्न समुदायों के बीच एकता को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक और सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए। गांव में होली, दीवाली, और ईद जैसे त्योहारों को मिलजुलकर मनाने की परंपरा को और मजबूत किया गया। इसके अलावा, उन्होंने पंचायत भवन को सामुदायिक केंद्र के रूप में विकसित किया, जहां ग्रामीण अपनी समस्याओं पर चर्चा कर सकते हैं। ग्राम प्रधान ने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं, जैसे कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, और आयुष्मान भारत योजना, को गांव में प्रभावी ढंग से लागू किया। इन योजनाओं के तहत पात्र ग्रामीणों को लाभ पहुंचाया गया, जिससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों का जीवन स्तर सुधरा। ग्राम प्रधान देवेंद्र कुमार के नेतृत्व में ग्राम पंचायत कैलसा ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। उनके द्वारा किए गए कार्य, जैसे कि बुनियादी ढांचे का विकास, स्वच्छ पेयजल, शिक्षा, स्वच्छता, और महिला सशक्तिकरण, ने गांव को एक मॉडल ग्राम पंचायत के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके इन प्रयासों ने न केवल ग्रामीणों के जीवन को बेहतर बनाया है, बल्कि अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी एक प्रेरणा स्थापित की है।

चौदह साल पहले विहार से खोया व्यक्ति संभल पुलिस को मिला परिजनों को तलाश कर किया सुपुर्द

वीडियो कॉल पर परिजनों से कराई बात रोने लगे परिजन

सम्भल(सब का सपना):- हरवंश पुत्र कन्हई सिंह नि० ग्राम साकिन शोभापुर थाना कैलादेवी जनपद सम्भल द्वारा डायल 112 पर कॉल कर सूचना दी कि एक अज्ञात व्यक्ति गावं के बाहर केवल पैन्ट पहने हुए उपलो के ऊपर लेटा हुआ है इस सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस तथा अज्ञात व्यक्ति जिसने अपना नाम सत्यदेव चौबे पुत्र औंकार चौबे निवासी धमनिया थाना सनदेश बिहार जनपद भोजपुर राज्य बिहार बताया उस को थाना कैलादेवी लेकर आये।प्रभारी निरीक्षक थाना कैलादेवी द्वारा सत्यदेव के परिजनो की जानकारी के लिये थाना प्रभारी थाना सनदेश जिला भोजपुर बिहार से फोन पर बात कर ग्राम धमनिया के बारे मे जानकारी की गयी तो थाना प्रभारी सनदेश जनपद भोजपुर बिहार द्वारा बताया गया कि ग्राम धमनिया हमारे थाना क्षेत्र मे नही आता है पुलिस द्वारा वार वार प्रयास करते हुये पुलिस अधीक्षक भोजपुर (बिहार) के कार्यालय से फोन पर सम्पर्क कर सत्यदेव के बारे में बताकर सम्पूर्ण भोजपुर जिले मे धमनिया गांव की जानकारी की गयी तो धमनिया गांव थाना गरहनी जनपद भोजपुर क्षेत्र मे पडता है प्रभारी निरीक्षक द्वारा थाना प्रभारी गरहनी जनपद भोजपुर कमलजीत सिह से सम्पर्क कर सत्यदेव चौबे के घर सूचना पहुंचायी गयी थाना गरहनी के पुलिस आरक्षी द्वारा सत्यदेव चौबे के परिजनो को उसका फोटो दिखाया गया तो परिजन सत्यदेव उपरोक्त को पहचान गये तथा प्रभारी निरीक्षक द्वारा कुछ समय पश्चात विडियो कालिंग कर परिजनो को दिखाया गया परिजनो द्वारा सत्यदेव चौबे को पहचान कर विडियो काल पर रोने लगे। सत्यदेव चौबे के परिजनो को थाना का पूर्ण पता बताया गया और उन्हे सत्यदेव चौबे की सुपुर्दगी के लिए थाना कैलादेवी पर बुलाया गया। सत्यदेव चौबे के परिजन थाना कैलादेवी जनपद सम्भल आये और उनकी पत्नी अपने पति को देखते ही लिपट कर रोने लगी यह देखकर थाने पर सभी की आंखे नम हो गयी, तथा सत्यदेव के भाई मुखदेव चौबे ने भावुक होकर व रोते हुये बताया की हमारे भाई करीब 13-14 साल पहले घर से रांची दवा लेने गये थे उसके बाद घर नहीं लौटे थे। हम लोगो ने अपने भाई को काफी जगह तलाश किया लेकिन कही नही मिले हम सोचने लग गये थे की हमारा भाई इस दुनिया में नही है। आज सम्भल पुलिस की महरबानी से हमे हमारा भाई 13-14 साल बाद मिला है। आप सभी पुलिस वालो को बहुत बहुत धन्यवाद। थाना पर मौजूद आम जन द्वारा इस कार्य पर पुलिस की भूरी भूरी प्रशंसा की गयी है।

सुलह समझौता केंद्र की मीटिंग में सुलझाए पति पत्नी के आपसी विवाद

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक के के बिश्नोई की देखरेख में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक मीटिंग महिला सेल प्रभारी इंस्पेक्टर पूनम आनंद की देखरेख में महिला थाने में संपन्न हुई । जिसमें पति-पत्नी के मध्य भी आपसी विवादों का सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण करने का प्रयास काउंसलरों द्वारा किया गया जहां कुल 53 पत्रावली सुनकर 13 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया तथा 4 परिवार को मिलाया गया तथा 6 पत्रावलियों को न्यायालय में विचाराधीन होने अथवा आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद करने की संतुति की गई। एवं 3 पत्रावली में विधिक कार्यवाही करने की संतुति की गई। इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय संगीता भार्गव बबीता शर्मा सीमा आर्य श्वेता गुप्ता तथा कांस्टेबल शहजाद मलिक रश्मि गहलोत ,ज्योति,उषा आदि लोग उपस्थित रहे।

वैश्य एकता मंच का किया विस्तार

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- रविवार को वैश्य एकता मंच चंदौसी की मासिक बैठक का आयोजन मनिहार चौक स्थित एक रेस्टोरेंट पर किया गया। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की चर्चा की साथ ही संगठन का विस्तार करते हुए मोहित बंसल, सुमित वार्ष्णेय, गोपाल वार्ष्णेय को नगर मंत्री बनाया गया। इस मौके पर लवित वार्ष्णेय, एड प्रवीण गुप्ता, हेमंत वार्ष्णेय, दीपेश सेठ, आकाश वार्ष्णेय, तुषार क्रिस्टल, प्रचार मंत्री अभिनव वार्ष्णेय व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु जनपद की तीनों तहसीलों में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

तहसील गुन्नौर में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से आज जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में तहसील गुन्नौर सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जायें, शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाये। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायत का निस्तारण गुणवत्ता एवं प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। जिससे शिकायतकर्ता शिकायत पुनः लेकर न आए। तहसील गुन्नौर में कुल 110 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमे 03 शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया गया। शेष के लिए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायत का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, उप जिलाधिकारी गुन्नौर वंदना मिश्रा, क्षेत्राधिकारी गुन्नौर दीपक तिवारी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा किया गया विकासखण्ड गुन्नौर का निरीक्षण

बहजोई/सम्भल (सब का सपना:- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा विकासखण्ड गुन्नौर का निरीक्षण किया, कार्यालय की व्यवस्थाओं को चेक किया। जिलाधिकारी ने विकासखण्ड अधिकारी कार्यालय, एडीओ पंचायत कार्यालय तथा खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय को देखा तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी आवास तथा विकासखण्ड के सम्पूर्ण परिसर की चहारदीवारी पर इलेक्ट्रिक फैंसिंग कराने के लिए संबंधित को निर्देशित किया। सभागार कक्ष एवं अभिलेखागार कक्ष के निर्माण को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा एडीओ पंचायत कार्यालय के निर्माण को प्राथमिकता पर रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने गत तीन वर्ष में कितना पैसा किस मद में खर्च हुआ है, उसकी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए तथा विकासखण्ड परिसर की लेखपाल के द्वारा पैमाईश कराने के लिए भी संबंधित को निर्देशित किया। जिलाधिकारी द्वारा परिसर में स्थित पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विकासखण्ड गुन्नौर को आईएसओ सर्टिफाईड कराने के भी निर्देश दिए। विकासखण्ड परिसर से होकर गुजर रही हाईपरटेंशन लाइन को सही कराने के लिए संबंधित को निर्देशित किया। जिलाधिकारी द्वारा विकासखण्ड परिसर में साफ सफाई एवं पौधारोपण को लेकर भी निर्देशित किया। जिलाधिकारी द्वारा विकासखण्ड परिसर में स्थित मंदिर के दर्शन किये तथा संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सुनील प्रकाश,खण्ड विकास अधिकारी गुन्नौर कमल कांत तथा खण्ड विकास अधिकारी जुनावई अखिलेश कुमार, एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी मुंशी लाल पटेल एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

रात होते ही आसमान में उड़ते हैं ड्रोन, जागकर पहरा दे रहे लोग; यूपी के कई जिलों में दहशत

संभल: यूपी वेस्ट के हापुड़, अमरोहा, मुरादाबाद, बिजनौर, संभल जिले में लोगों की रात की नींद उड़ी हुई है। गांव-गांव में ड्रोन दिखने की सूचनाएं मिल रही हैं। चमकती लाइटों वाले ड्रोन के आसमान में उड़ने के कारण ग्रामीण घरों से बाहर निकलने से भी डरने लगा हैं। गांव वाले रात में जागकर पहरा देने को मजबूर हैं। हापुड़ के सिंभावली के गांव बक्सर, राजपुर, तिगरी में उड़ते नजर आए ड्रोन गढ़ कोतवाली क्षेत्र के साथ ही सिंभावली थाना क्षेत्र के बक्सर, तिगरी, राजपुर समेत कई गांवों में दहशत का माहौल बना हुआ है। गांव वालों का कहना है कि शाम होते ही ड्रोन उड़ने लगते हैं। इतना ही चमकती लाइटों वाले ड्रोन को देखकर लोग छतों पर जाने से डर रहे हैं। कुछ लोगों ने पत्थर फेंक कर ड्रोन को गिराने की भी कोशिश की। नौबत यह है कि गांवों में पुलिस पहरा दे रही है। दर्जन भर गांवों में डर का माहौल बना हुआ है। पिछले दो दिन से तहसील क्षेत्र के ग्राम अखापुर, हिरणपुरा, अल्लाबख्शपुर, बक्सर, राजपुर, तिगरी सहित आसपास के कई गांवों में रात होते ही अज्ञात ड्रोन उड़ते दिखाई देने से दहशत व्याप्त है। ग्रामीणों ने इस घटना के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए हैं। वहीं, क्षेत्र में तरह-तरह की अफवाहें भी फैल रही हैं। रात में गांवों में पहरा दे रही पुलिस सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और गांव में सुरक्षा का जायजा लिया। पुलिस ने ग्रामीणों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने की अपील की है। शनिवार रात में गांव बक्सर, राजपुर, और आसपास के गांवों में एक ही रात में उड़ते हुए ड्रोन देखे जाने का दावा किया जा रहा है। इसके अलावा गढ़ के मोहल्ला आदर्श नगर व गांव झड़ीना की आबादी में भी ड्रोन दिखने का दावा किया गया। ग्रामीणों ने इसे लेकर सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई है। डायल 112 की टीम ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाया। पुलिस गांवों में पहरा दे रही है। सीओ ने दिए जांच के आदेश स्थानीय लोगों का कहना है कि यह ड्रोन चोरों द्वारा उड़ाए जा रहे हैं, ताकि घरों की लोकेशन, गतिविधियों और संपत्ति की जानकारी एकत्र की जा सके। इससे पहले अमरोहा और मुरादाबाद, बिजनौर में भी इसी तरह की गतिविधियां देखी गई थीं। कोतवाली और सिंभावली पुलिस को मामले की सही ढंग से जांच का निर्देश दिया गया है। ड्रोन उड़ाने वालों के ठिकानों के बारे में जानकारी की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन- युवा इकाई नगर चंदौसी की कार्यकारिणी का हुआ शपथ ग्रहण

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन- युवा इकाई नगर चंदौसी की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को मनिहार चौक स्थित एक रेस्टोरेंट में संपन्न हुआ। बैठक में नव-निर्वाचित युवा नगर अध्यक्ष तुषार वार्ष्णेय क्रिस्टल सहित सभी नव मनोनीत पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। समारोह में समाज के अतिथि एवं युवा कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शपथ लेने वाले पदाधिकारी में प्रथम गोयल (उपाध्यक्ष), आलोक वार्ष्णेय (महामंत्री), देव चौधरी (कोषाध्यक्ष), विमल वार्ष्णेय (मंत्री), अंश गोयल (मंत्री), तुषार गुप्ता (संगठन मंत्री), विवेक चौधरी (कार्यक्रम संयोजक), अनमोल अग्रवाल (मीडिया प्रभारी), लवित वार्ष्णेय, आकाश वार्ष्णेय, ध्रुव अग्रवाल (सदस्य) आदि रहे। कार्यक्रम में अमित डी आर, प्रदीप अग्रवाल, शिखर गोयल, सार्थक अग्रवाल, गिरीश रतन, अरुण रतन, अमित मित्तल समेत समाज के अनेक सम्मानित सदस्य और युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने युवाओं को संगठित होकर सामाजिक एवं सेवा के कार्यों में आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन उत्कृष्टता के साथ संपन्न हुआ।

ठेकेदार की लापरवाही से हो सकती है कोई अनहोनी जिम्मेदार लोगो को नहीं कोई मतलब

विना सेफ्टी किट के ,पानी की टंकी पर कार्य करते मजदूर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- लालच के चलते लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करते हैं ठेकेदार वह यह नहीं समझते की हमारी लापरवाही किसी का परिवार बर्बाद कर सकती है,उनको सिर्फ अपने काम से मतलब है किसी की जिंदगी से नहीं। आपको बता दें कि पूरा मामला जनपद के कोतवाली बहजोई के चितौरा रोड का है जहां पर जल निगम के द्वारा पानी की टंकी का निर्माण कराया जा रहा है उसमे काफी मजदूर काम कर रहे है टंकी की ऊंचाई लगभग 100फिट बताई जा रही है उसके ऊपर काम करने वाले मजदूरों के पास किसी भी प्रकार की सेफ्टी किट नही है,अगर कोई हादसा होता है तब कोन होगा जिम्मेदार बाहर से आये मजदूरों के परिवार का सपना होता है कि जब वे काम करके वापस आएंगे तब जो अधूरे कार्य पडे है उन पैसों से पूरे करेंगे और वह जब तक उनके परिवार का सदस्य जो दूर कही काम कर रहा है उसके आने की प्रतिक्षा करते रहते है और ऐसे कही ठेकेदार की लापरवाही का कोई भी मजदूर शिकार बनता है तब आप अंदाजा लगा सकते है कि उस परिवार पर क्या बीतेगी। जब इस संबंध में जेई ललतेश गुप्ता से बात की तब उन्होंने बताया की में पहले भी इन्हें सेफ्टी किट न लगाने पर चेतावनी दे चुका हूं अव एक बार फिर से कहूंगा,आप अंदाजा लगा सकते है कि जेई के कहने पर मजदूर सेफ्टी किट न लगाएं यह एक पल्ला झाड़ ने के सिवा कुछ भी नही, इसमें ठेकेदार से लेकर जेई,एई आदि सबकी जिम्मेदारी होती है परन्तु यह अधिकरी जब तक नही जागते जब तक कोई बडी घटना घटित न हो।अब देखना यह है कि क्या जिम्मेदारों पर संबंधित अधिकारी कोई कार्रवाई करेंगे या फिर मामला रफा-दफा। जब फोन पर इस विषय में जेई ललतेश गुप्ता से जानकारी की गई तो उन्होंने बताया कि में पहले भी चेतावनी दे चुका हूं और अब फिर से कहूंगा की सेफ्टी किट पहन कर ही कार्य करें

चार साल की गुमशुदा बच्ची को पुलिस ने तीन घंटे में तलाश कर परिजनो को सौंपा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- चार साल की बच्ची गुम होने पर परिजनों ने पुलिस से संपर्क साधा पुलिस ने कड़ी मेहनत करके मात्र तीन घंटे में बच्ची को तलाश करके परिजनों को सौंप दिया। जनपद के कोतवाली बहजोई गांव चितनपुर निवासी रेशमा पत्नी आरिफ ने शनिवार को थाना बहजोई पर जाकर एक प्रार्थना पत्र अपनी पुत्री आयजा उम्र करीब 4 वर्ष घर से कही गुम हो गई है इस सम्बन्ध में दिया था। पुलिस ने उक्त सूचना पर टीम गठित कर बच्चे की सकुशल बरामदगी हेतु टीम को आवश्यक दिशा निर्देशित करते हुये रवाना किया उक्त बच्ची की तलाश हेतु अलग -अलग टीम गठित कर काफी कड़ी मेहनत कर बच्ची आयजा को अलग अलग जगह पर तलाश किया व इस सम्बन्ध में काफी लोगो से पूछताछ व जानकारी कर गुमशुदा बच्ची आयजा को कस्बा बहजोई से कुशलता पूर्वक मात्र 3 घण्टे के बाद बरामद कर उसके परिजनो के सुपुर्द कर दिया परिजन अपनी बच्ची को पाकर बहुत खुश हुए बहजोई पुलिस को धन्यवाद देते हुए बच्ची को लेकर अपने घर चले गए।

19 अगस्त से बीएलओ घर-घर जाकर करेंगे सर्वेक्षण, 18 वर्ष से ऊपर आयु के नए मतदाता जोड़ें जायेंगे

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) संजय चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश लखनऊ के निदेर्शानुसार अमेठी जनपद में त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का निम्नांकित समय सारिणी के अनुसार वृहद पुनरीक्षण सम्पन्न कराया जाएगा, जिसमें दिनांक 18 जुलाई 2025 से 18 अगस्त 2025 तक किसी ग्राम पंचायत के आंशिक भाग के किसी अन्य ग्राम पंचायत अथवा नगरीय निकाय में समाहित होने की स्थिति में विलोपन एवं मतदाता सूची के प्रिन्ट करने की कार्यवाही, बी०एल०ओ० एवं पर्यवेक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र का आवंटन उन्हें तत्सम्बन्धी जानकारी देना प्रशिक्षण तथा स्टेशनरी आदि का वितरण उपर्युक्त दोनों कार्यवाही पृथक-पृथक तथा समानान्तर चलेंगी, दिनांक 19 अगस्त 2025 से 29 सितंबर 2025 तक बी०एल०ओ० द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण एवं हस्तलिखित पाण्डुलिपि तैयार करने की अवधि (01 जनवरी, 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी अर्ह व्यक्तियों के नाम सम्मिलित किए जाएंगे), ऑनलाइन आवेदन करने की अवधि 19 अगस्त 2025 से 22 सितंबर 2025 तक, ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों की घर-घर जाकर जाँच करने की अवधि 23 सितंबर 2025 से 29 सितंबर 2025 तक, निर्वाचक गणना पत्रक के आधार पर परिवर्धन, संशोधन एवं विलोपन की तैयार हस्तलिखित पाण्डुलिपि सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा करने की अवधि 30 सितंबर 2025 से 06 अक्टूबर 2025 तक, ड्राफ्ट नामावलियों की कम्प्यूटरीकृत पाण्डुलिपि तैयार करना (निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही) 07 अक्टूबर 2025 से 24 नवंबर 2025 तक, निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग, मतदाता की डाउनलोडिंग, फोटोप्रतियां कराने आदि 25 नवंबर 2025 से 04 दिसंबर 2025 तक, अनन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन 05 दिसंबर 2025, आलेख्य के रूप में प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची का निरीक्षण 06 दिसंबर 2025 से 12 दिसंबर 2025 तक, दावे एवं आपत्तियों प्राप्त करना (01 जनवरी, 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी निर्वाचकों के भी स्वीकार किये जाएंगे) 06 दिसंबर 2025 से 12 दिसंबर 2025 तक, दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण 13 दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर 2025 तक, दावे/आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त हस्तलिखित पाण्डुलिपियाँ तैयार करना, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा करने की अवधि 20 दिसंबर 2025 से 23 दिसंबर 2025 तक, दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण की तैयारी तथा उन्हें मूल सूची में यथा स्थल समाहित करने की कार्यवाही 24 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक, पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग मतदाता सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियाँ कराने आदि 09 जनवरी 2026 से 14 जनवरी 2026 तक एवं निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन 15 जनवरी 2026 को किया जाएगा, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्रमुख स्थानीय समाचार पत्रों में व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा तथा सार्वजनिक जानकारी हेतु समस्त सम्बन्धित कार्यालयों के सूचना पट्ट पर भी यह कार्यक्रम प्रदर्शित किया जाएगा, निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेंगे तथा निर्धारित समय सारिणी अनुसार निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण कराया जाएगा। किसी भी परिस्थिति में समय सीमा नहीं बढ़ायी जाएगी।

ग्राम प्रधान ने उखाड़ी सड़क की ईंटें, कीचड़ से गुजरने को मजबूर ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

भेंटुआ/अमेठी(सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- रविवार सुबह विकासखंड भेटुआ की ग्राम सभा बैसणा के बिसुनपट्टी गांव में ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पहले इस मार्ग पर ईंट की खड़ंजा सड़क बनी थी, जिसे ग्राम प्रधान ने खुद हटवा दिया। मिट्टी डालने के नाम पर ईंटें निकाल तो दी गईं, लेकिन दोबारा न तो ईंट बिछाई गई और न ही रास्ता ठीक कराया गया। अब बरसात के मौसम में उस अधूरे मार्ग पर पानी भर गया है, जिससे सड़क जगह-जगह दलदल और कीचड़ में तब्दील हो गई है। न तो पैदल चलना संभव है, न ही वाहन निकल पा रहे हैं। परेशान ग्रामीणों ने सोमवार को प्रदर्शन करते हुए प्रशासन से मांग की कि जल्द से जल्द इस रास्ते की मरम्मत कराई जाए। ग्रामीण राम अभिलाष शुक्ला और रामफेर ने बताया कि सड़क में केवल मिट्टी डालकर छोड़ दिया गया, जिससे अब गड्ढे और कीचड़ से पूरा रास्ता भर गया है। उन्होंने कहा कि इसकी कई बार शिकायत ब्लॉक स्तर पर की जा चुकी है, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। जब इस संबंध में खंड विकास अधिकारी से पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मुझे इस मामले की जानकारी अब मिली है। जल्द ही जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों की मांग है कि बरसात के मौसम को देखते हुए प्राथमिकता के आधार पर सड़क की मरम्मत कराई जाए, जिससे आवागमन सुचारु हो सके।

धान की रोपाई के दौरान सांप ने डसा, युवक की मौत मौत

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- शनिवार देर शाम सांप के काटने से इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। मामला कोतवाली क्षेत्र के विशंभरपुर मजरे बरियापुर गांव में गुरुवार को एक हादसे ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया। खेत में धान की रोपाई कर रहे प्रेम चंद (32) को एक विषैले सांप ने डंस लिया। अचानक हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें तुरंत अमेठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में हालत और बिगड़ने पर प्रेम चंद को रायबरेली एम्स रेफर किया गया लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। जैसे ही यह

दुखद समाचार गांव पहुंचा परिवार में कोहराम मच गया। प्रेम चंद अपने पीछे दो मासूम बच्चों और पत्नी को छोड़ गए हैं। अब इन बच्चों के सिर से पिता का साया उठ चुका है। गांव के लोगों के अनुसार, प्रेम चंद मेहनती और मिलनसार युवक थे। उनकी असामयिक मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

आंधी में गिरा बिजली का पोल, चार दिन से बिजली गुल

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- चार दिन पहले आई तेज आंधी में सड़क किनारे लगा एक बिजली का खंभा पेड़ की डाल गिरने से टूटकर गिर गया। जिससे कई घरों व दुकानदार की बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। भीषण गर्मी के बीच ग्रामीणों व दुकानदारों को पिछले चार दिनों से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अमेठी पावर हाउस के रामनाथपुर छोटा के पास आंधी आने पर बिजली का पोल गिर गया जिसकी वजह बिजली आपूर्ति ठप है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि खंभा गिरने की सूचना बिजली विभाग को समय रहते दे दी गई थी, लेकिन अब तक न तो नया खंभा लगाया गया है और न ही जमीन पर गिरे बिजली के तारों को हटाया गया

है। इससे न केवल बिजली आपूर्ति बाधित है, बल्कि दुर्घटना का भी खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों व दुकानदारों का कहना है कि वे लगातार बिजली विभाग से संपर्क कर रहे हैं, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा। गर्मी में दिन और रात गुजारना मुश्किल हो गया है। एक दुकानदार ने बताया कि फ्रीज, पंखे, पानी की मोटर कुछ भी नहीं चल पा रहा, । साथ मे बिजली न होने से पानी की समस्या अधिक हो गई हैं दूर से जाकर पानी लाना पड़ रहा हैं। स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि बिजली विभाग तत्काल स्थिति का संज्ञान ले और खंभा बदलवाकर बिजली आपूर्ति बहाल की जाए।

डॉ. मदन बरनवाल बने सुनबा सीएचसी के नए अधीक्षक, दूसरी बार सौंपी गई ज़िम्मेदारी-

अयोध्या (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- रुदौली क्षेत्र अंतर्गत सुनबा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) को नया अधीक्षक मिल गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशील कुमार बनियान द्वारा जारी आदेश के तहत डॉ. मदन बरनवाल को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ. बरनवाल पहले भी इस पद पर सेवाएं दे चुके हैं और वर्तमान में नोडल अधिकारी (झोलाछाप नियंत्रण) के रूप में कार्यरत थे। मां कामाख्या धाम, नगर पंचायत क्षेत्र में स्थित यह केंद्र क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ माना जाता है। उनकी यह नियुक्ति स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

रेल मार्ग पर चल रहा मरम्मत कार्य, अमेठी-ताला खजुरी मार्ग पर रहेगा यातायात पूर्णत बंद

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवाल:- रेलवे विभाग द्वारा अमेठी- तालाखजुरी मार्ग पर स्थित पूरे प्रेम तिवारी के समीप केबिन संख्या 104/उ पर मरम्मत कार्य किया जा रहा हैं । यह मरम्मत कार्य रविवार को सुबह 9 बजे से किया जा रहा हैं, जिसके चलते इस मार्ग पर यातायात पूरी तरह से बंद हैं । रेलवे विभाग के अनुसार इस दौरान समपार संख्या 104/उ, जो कि रेलवे किलोमीटर संख्या 937/30-32 पर स्थित है, पर लाइन मरम्मत का कार्य किया जा रहा हैं । इसमें कर्मचारियों द्वारा फाटक पर बनी सड़क को हटाकर रेल पटरियों पर लोहे की लॉक क्लीक लगाई जा रही हैं , जिससे दुर्घटनाओं की आशंका को टाला जा सके और ट्रेन संचालन में

कोई बाधा न हो। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा दो वैकल्पिक मार्ग तय किए गए हैं, जिनका उपयोग यात्री और वाहन चालक कर सकते हैं। संबंधित अधिकारियों, पुलिस प्रशासन एवं आमजन को पहले ही इस अस्थायी यातायात बंदी की सूचना भेज दी गई है ताकि किसी को असुविधा न हो और यातायात सुचारू रूप से वैकल्पिक मार्गों से संचालित हो सके। रेल प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि निर्धारित समय में इस मार्ग का प्रयोग न करें और दिए गए वैकल्पिक मार्गों का ही उपयोग करें।

45 ग्राम स्मैक के साथ 2 पुलिस ने किए गिरफ्तार

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान व नशा मुक्त अमेठी अभियानह्व के तहत क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना मुसाफिरखाना पुलिस द्वारा तलाश वांछित, देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान अभियुक्तों 1. मो0 कैफ पुत्र मो0 शकील उम्र करीब 25 वर्ष व 2. मो0 नशीर पुत्र स्व0 नसीम उम्र करीब 25 वर्ष निवासीगण ग्राम

निवासी तकिया मजरे जमुवारी थाना मुसाफिरखाना जनपद अमेठी को गिरफ्तार किया गया । तलाशी से अभियुक्त मो0कैफ के कब्जे से 20 ग्राम स्मैक एवं अभियुक्त मो0 नशीर के कब्जे से 25 ग्राम स्मैक बरामद हुआ । गिरफ्तारी एवं बरामदगी के संबंध में थाना मुसाफिरखाना पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अपर पुलिस अधीक्षक ने की व्यापारीयो के साथ गोष्ठी

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवाल:- पुलिस कार्यालय गौरीगंज सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी शैलेन्द्र कुमार सिंह द्वारा व्यापारी बंधुओं के साथ मीटिंग की गयी, जिसमें जनपद अमेठी के व्यापारी बन्धु उपस्थित हुए । मीटिंग में व्यापारी बन्धुओं को ऑपरेशन दृष्टि के तहत जागरुक कराते हुए सुरक्षा के दृष्टिगत अपने-अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने हेतु अपील की गई एवं व्यापारी बन्धुओं से वार्ता कर उनकी समस्याओं को सुना गया तथा समस्याओं के निराकरण हेतु संबन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये व उनकी सुरक्षा के सम्बन्ध में आश्वस्त किया गया ।

सिर्फ नाम का स्टेशन बना रामगंज, यात्री बेहाल, जर्जर भवन, टूटी बेंचें, गंदगी और सुविधाओं का टोटा

अयोध्या: प्रयागराज रेल मार्ग पर स्थित रामगंज रेलवे स्टेशन पूरी तरह उपेक्षा का शिकार है। करीब छह दशक पहले बना यह स्टेशन अब बदहाली की मिसाल बन गया है। छत जगह-जगह से टूट चुकी है, दीवारों में गहरी दरारें नजर आती हैं। प्लेटफार्म पर शेड की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, जिससे यात्रियों को धूप और बारिश में खुले में बैठकर इंतजार करना पड़ता है। बेंचों की संख्या सीमित है और जो लगी हैं, वे टूट चुकी हैं। स्टेशन परिसर में झाड़ियां उगी हैं, कचरे का ढेर है और सफाई व्यवस्था नदारद है। पेयजल के लिए लगा एकमात्र हैंडपंप अक्सर खराब रहता है। प्रसाधन गृह की स्थिति बेहद खराब है। दरवाजे-खिड़कियां गायब हैं, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को कठिनाई होती है। कोविड से पहले स्टेशन पर सरयू एक्सप्रेस सहित चार ट्रेनों का ठहराव होता था। अब केवल दो पैसेंजर ट्रेनों अयोध्या-प्रयागराज अप और डाउन का संचालन हो रहा है। टिकट काउंटर भी लंबे समय से बंद है। इससे यात्रियों को टिकट के लिए भटकना पड़ता है या फिर बिना टिकट यात्रा करनी पड़ती है, जिससे उन्हें जुमार्ने का भय बना रहता है। व्यावसायिक दृष्टि से भी अहम है स्टेशन रामगंज से सीआरपीएफ कैंप, इंडेन गैस और एसएलएमजी प्लांट के कर्मी, छात्र, व्यापारी और मजदूर प्रतिदिन सुल्तानपुर, अयोध्या, प्रतापगढ़ व प्रयागराज की यात्रा करते हैं। इतना उपयोगी स्टेशन होने के बावजूद इसे लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। यात्री सुविधाएं हों बहाल भादर निवासी अभिषेक सिंह का कहना है कि स्टेशन पर मूलभूत सुविधाओं का पूरी तरह अभाव है। ग्राम प्रधान विनोद कनौजिया के अनुसार टिकट काउंटर बंद होने से यात्री चालान के डर में सफर कर रहे हैं। व्यापारी प्रमोद कुमार ने मांग की कि सरयू एक्सप्रेस का ठहराव फिर शुरू किया जाए और स्टेशन को व्यवस्थित किया जाए। बढ़ाई जाएगी सुविधा पीपरपुर के स्टेशन मास्टर सियाराम मीना का कहना है कि रामगंज रेलवे स्टेशन हाल्ट श्रेणी में आता है। यहां दो मेमू ट्रेनों का ठहराव है। हाल्ट स्तर के अनुसार सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य हो रहा है।

ड्रोन की अफवाहों को लेकर अमरोहा पुलिस की स्पष्ट अपील

पिछले कुछ दिनों से अमरोहा जनपद में रात्रि के समय ड्रोन उड़ने की सूचनाएं मिल रही हैं, जिससे आमजन के बीच भ्रम और भय का वातावरण बना हुआ है। अफवाहें फैलाई जा रही हैं कि चोर ड्रोन के माध्यम से रेकी कर रहे हैं।

अमरोहा पुलिस द्वारा की गई अब तक की जांच और तथ्य:

1. थाना रजबपुर क्षेत्र में ड्रोन उड़ाने की सूचना पर तीन युवकों को पकड़ा गया, जो अपने यूट्यूब/रील्स वीडियो के लिए ड्रोन का प्रयोग कर रहे थे।

2. थाना डिडौली व थाना सैदनगली में जांच के दौरान दो खिलौना हेलिकॉप्टर (रिमोट कंट्रोल वाले) बरामद हुए जिनमें नीली-लाल बत्तियाँ जलती थीं। जिन्हे नाबालिग द्वारा उडाया जा रहा था ।

3. पिछले 2 हफ्तों में ड्रोन समबन्धित 250 से अधिक वद 112 के इवेंट्स पर पहुँच कर पुलिस द्वारा जांच की गयी। इस बीच अन्य आपराधिक प्रकरणों के अनावरण में अपराधी पकडे गए। कहीं भी अब तक ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है जिसमें अपराधियों द्वारा ड्रोन का प्रयोग किया गया हो।

4. अधिकतर ड्रोन देखे जाने की सूचना रात्रि 09 बजे से 12 बजे के बीच दी जा रही है ।

अमरोहा पुलिस द्वारा इन घटनाओं को चार प्रकार की परिस्थितियों में बांटा गया है:

1. कुछ शरारती तत्व अफवाहों को बल देने हेतु ड्रोन उड़ा रहे हैं।

2. रात्रि में खिलौना हेलिकॉप्टरों की रोशनी को ड्रोन समझ लिया जाता है।

3. ऊँचाई पर उड़ते हवाई जहाज की लाइट को भी कई बार ड्रोन मान लिया जाता है।

4. किसी एक व्यक्ति द्वारा ड्रोन देखा गया कहने पर अफवाह फैल जाती है, भले ही किसी ने कुछ न देखा हो।

यह विचारणीय है कि यदि कोई चोर ड्रोन उड़ा रहा होगा, जिसके प्रयोग से लोग जग जा रहे है तो उसके चोरी करने का प्रयास विफल हो जायेगा साथ रात में कम रोशनी के कारण ड्रोन से उपयोगी वीडियो भी नहीं बन सकता ।

ऐसी स्थिति में आमजन क्या करें?

1. घबराएं नहीं।

2. यदि ड्रोन जैसी कोई वस्तु दिखाई दे, तो 112 पर कॉल करें या नजदीकी थाने को सूचित करें।

3. ड्रोन की दिशा, उड़ान का पैटर्न देखें – इससे ड्रोन उड़ाने वाले की संभावित लोकेशन का अनुमान लगाया जा सकता है।

4. 9454458055 (अमरोहा पुलिस मीडिया सेल व्हाट्सएप) पर स्थान, समय, फोटो/वीडियो साझा करें।

5. अफवाहें न फैलाएं। बिना पुष्टि के कोई सूचना न साझा करें।

6. अपने मोहल्ले/गांव में अधिक से अधिक CCTV कैमरे लगवाएं। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत पहले भी सफल प्रयास हो चुके हैं।

क्या न करें:

1. सुनी-सुनाई बातों को बिना पुष्टि शेयर न करें।

2. पुराने फोटो या वीडियो को नए घटनाक्रम बताकर ग्रुपों में शेयर न करें।

3. सोशल मीडिया पर लाइक/वायरल पाने के लिए भ्रामक या सनसनीखेज पोस्ट न करें।

4. संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस को दें, स्वयं कोई कार्रवाई न करें।

अमरोहा पुलिस द्वारा अब तक की गई कार्यवाही:

1. गाँवों में जाकर जनसभाएं की जा रही हैं।

2. रात्रि गश्त को और अधिक प्रभावी किया गया है।

3. सभी ड्रोन संबंधित सूचनाओं का विश्लेषण किया जा रहा है।

4. ड्रोन धारकों का सत्यापन किया जा रहा है।

5. प्रत्येक थाना क्षेत्र में ग्रामीण सूचना व्हाट्सएप ग्रुप बनाए गए हैं।

6. टेक्निकल सर्विलांस का कार्य किया जा रहा है।

ड्रोन धारकों के लिए जरूरी निदेर्श:

1. 250 ग्राम से अधिक वजन वाले सभी ड्रोन का Digital Sky प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण आवश्यक है।

2. Drone Rules 2021 के अनुसार कोई भी ऐसा संचालन जो व्यक्ति या संपत्ति की सुरक्षा के लिए खतरा हो, प्रतिबंधित है।

3. नियमों का उल्लंघन करने पर ड्1 लाख तक का जुमार्ना और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत विधिक कार्यवाही की जायेगी।

गलत तरीके से ड्रोन का प्रयोग और सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी । यदि आपको ड्रोन अथवा ड्रोन जैसी कोई वस्तु दिखाई दे तो 9454458055 पर ड्रोन का फोटो/वीडियो, स्थान, समय व्हाट्सएप करें

नौगांवा सादात में कई महीने से खराब पड़े सरकारी हैंडपंप

पानी की बूंद बूंद के लिए तरस रहे हैं कावड़िए

अमरोहा (सब का सपना) आर. के.:- जिले की नगर पंचायत नौगांव सादात में सड़कों पर लगे हैंडपंप कई महीनों से खराब पड़े हैं, जिसके कारण क्षेत्र में पेयजल की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। खासतौर पर सावन के पवित्र महीने में कावड़ यात्रा के दौरान कावड़ियों को पीने के पानी के लिए ठोकरें खानी पड़ रही हैं। स्थानीय प्रशासन की लापरवाही और अधिशासी अधिकारी सलिल भारद्वाज की उदासीनता ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। बताया जा रहा है कि जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के स्पष्ट आदेशों के बावजूद हैंडपंपों की मरम्मत और पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। जिससे स्थानीय लोग और कावड़िए परेशान हैं। नौगांव सादात, जो अमरोहा जिले का एक महत्वपूर्ण कस्बा है। सड़कों के किनारे लगे अधिकांश हैंडपंप खराब स्थिति में हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई महीनों से ये हैंडपंप या तो पूरी तरह बंद हैं या इनसे गंदा और बदबूदार पानी निकल रहा है, जो पीने योग्य नहीं है। सावन के महीने में जब लाखों कावड़िए इस क्षेत्र से गुजरते हैं, तब स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। लेकिन खराब हैंडपंपों के कारण कावड़ियों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। कई जगहों पर उन्हें अस्वच्छ पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस समस्या की शिकायत कई बार नगर पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों से की गई। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जिलाधिकारी ने कुछ समय पहले इस समस्या के समाधान के लिए अधिशासी अधिकारी को हैंडपंपों की मरम्मत और पेयजल व्यवस्था को सुचारु करने के सख्त निर्देश दिए थे। लेकिन अधिशासी अधिकारी की लापरवाही के कारण ये आदेश कागजों तक सीमित रह गए। स्थानीय निवासी मोहम्मद इरफान ने बताया, "हमने कई बार अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कावड़ यात्रा के दौरान पानी की कमी के कारण श्रद्धालुओं को बहुत परेशानी हो रही है।"कावड़ियों का कहना है कि सावन में जब वे भगवान शिव की भक्ति में लीन होकर कावड़ यात्रा पर निकलते हैं, तब स्वच्छ पानी की उपलब्धता उनकी सबसे बड़ी जरूरत होती है। लेकिन नौगांव सादात में सड़कों पर लगे खराब हैंडपंप उनकी इस जरूरत को पूरा करने में बाधा बन रहे हैं। एक कावड़ी रमेश कुमार ने कहा, "हम दिनभर पैदल चलते हैं और पानी की जरूरत पड़ती है। लेकिन यहां हैंडपंप खराब हैं, और जो पानी मिल रहा है, वह पीने लायक नहीं है।" स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता संजय शर्मा ने इस मामले में प्रशासन की लापरवाही की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, "यह शर्मनाक है कि जिलाधिकारी के आदेशों का पालन नहीं हो रहा। अधिशासी अधिकारी की लापरवाही के कारण न केवल स्थानीय लोग बल्कि कावड़िए भी परेशान हैं। प्रशासन को तुरंत इस समस्या का समाधान करना चाहिए।" यह स्थिति न केवल प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि धार्मिक आयोजनों के दौरान बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी कितनी गंभीर हो सकती है। नौगांव सादात के निवासियों और कावड़ियों की मांग है कि प्रशासन तत्काल प्रभाव से हैंडपंपों की मरम्मत करे और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचा जा सके।

दिल्ली में नशे में गाड़ी चलाना का बढ़ा चलन, पिछले साल से 3,150 ज्यादा कटे चालान, 25 परसेंट की बढ़त से पुलिस परेशान

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शराब पीकर वाहन चलाने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन हो रहा है। इससे लोगों की जान भी खतरे में पड़ रही है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते वर्ष की तुलना में इस वर्ष जाल छलकाकर वाहन चालाने वालों की संख्या में 25 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। बीते वर्ष के शुरूआती छह महीनों में यातायात पुलिस ने 12,471 नशे में वाहन चलाने वालों के चालान काटे थे, जो इस वर्ष बढ़कर 15,621 हो गए। उल्लंघन के मामले में सबसे ऊपर नरेला क्षेत्र रहा जहां 1,966 चालान यातायात पुलिस द्वारा काटे गए। पुलिस का विशेष अभियान शुरू वरिष्ठ यातायात पुलिस अधिकारी के मुताबिक, ऐसे मामलों में अधिकतर आरोपित रात के समय क्लब, बार या पार्टी से लौटते वक्त पकड़े जाते हैं। शराब के नशे में वाहन चलाना भारतीय दंड संहिता और मोटर वाहन अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है। पुलिस ने कई जगह नाके बंदी (चेकिंग पाइंट) लगाकर विशेष अभियान शुरू किया है ताकि नशे में गाड़ी चलाने वालों पर लगाम लगाई जा सके। कई हादसों में निर्दोष राहगीरों और यात्रियों की जान गई पिछले कुछ महीनों में ऐसे कई हादसे सामने आए हैं, जिनमें निर्दोष राहगीरों और यात्रियों की जान गई है। हाल ही में दक्षिणी दिल्ली में एक तेज रफ्तार कार ने फुटपाथ पर सो रहे व्यक्ति को कुचल दिया थे। जांच में सामने आया कि चालक नशे की हालत में था। ट्रैफिक पुलिस ने डीयूआइ (ड्राइविंग अंडर इनफ्लुएंस) जांच के लिए ब्रीथ एनालाइजर और सीसीटीवी कैमरों की मदद से निगरानी बढ़ा दी है। साथ ही, बार और क्लब मालिकों को भी चेतावनी दी गई है कि वे नशे की हालत में किसी को वाहन न चलाने दें। शिक्षाप्रद पहल भी शुरू दिल्ली यातायात पुलिस ने स्कूली कालेज छात्रों और युवाओं को जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। सेफ ड्राइव, सेफ लाइफ अभियान के तहत लोगों को यह बताया जा रहा है कि शराब पीकर गाड़ी चलाने से वे न केवल अपने, बल्कि दूसरों के जीवन को भी खतरे में डालते हैं। क्या है कानूनी प्रावधान? अगर कोई व्यक्ति शराब पीकर गाड़ी चलाते पकड़ा जाता है, तो उसे दस हजार रुपये तक का जुमार्ना, छह महीने तक की जेल या ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। बार-बार ऐसा करने पर सख्त सजा का प्रावधान है।

समाजसेवी डॉ. पवन यादव ने स्वर्गीय सुनील यादव की पत्नी को दिया आर्थिक सहयोग-

चांदा/सुल्तानपुर (सब का सपना) आदित्य बरबालः- समाजवादी पार्टी युवजन सभा के प्रदेश सचिव और क्षेत्र के सक्रिय समाजसेवी निवासी मीरानपुर, रतनपुर डॉ. पवन यादव ने स्वर्गीय सुनील यादव की पत्नी सरिता यादव को ड्5100 की आर्थिक सहायता प्रदान की। सुनील यादव पूर्व में समाजवादी पार्टी के सेक्टर प्रभारी के रूप में काम कर चुके थे। हाल ही में उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में गई थी, जिससे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई थी। डॉ. पवन यादव ने सरिता यादव के बैंक खाते में सीधे सहायता राशि भेजी और इस दुखद समय में परिवार को हिम्मत बंधाई। उन्होंने कहा कि यह सहयोग केवल शुरूआत है, और वे आगे भी इस परिवार के साथ खड़े रहेंगे।डॉ. यादव ने कहा,सुनील यादव के दो छोटे बच्चे हैं। एक बेटी महज दो साल की है और बेटा मात्र 25 दिन का, जिसकी बारहवीं तिथि वाले दिन ही सुनील की मृत्यु हो गई थी। अब परिवार में कमाने वाला कोई नहीं बचा है। ऐसे में हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि इस परिवार की मदद करें। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से भी अपील की कि थोड़ा-थोड़ा सहयोग करके हम बच्चों की पढ़ाई, दवाई और पालन-पोषण में मदद कर सकते हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि यह कार्य राजनीति से ऊपर उठकर, मानवता के नाते किया गया है।डॉ. पवन यादव ने कहा कि वे कई वर्षों से समाजवादी पार्टी से जुड़े हैं और हर सुख-दुख में जनता के साथ खड़े रहे हैं।यह हमारा राजनीतिक उद्देश्य नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व है। हम मिशन के रूप में जनता की सेवा करते हैं और आगे भी करते रहेंगे।

नाबालिग पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड में आरोपित प्रवीन डबास को मिली अंतरिम जमानत, किडनी की बीमारी से जूझ रहा डबास

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने वर्ष 2021 में हुए नाबालिग पहलवान सागर धनखड़ हत्याकांड में आरोपित प्रवीन डबास को चिकित्सा आधार पर दो सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी है। इस मामले में ओलिंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार भी आरोपित हैं। यह प्राथमिकी माडल टाउन पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को उसकी चिकित्सा स्थिति को ध्यान में रखते हुए दो सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत पर रिहा किया जाता है। अदालत ने आरोपित को 25 हजार रुपये की जमानत राशि और इतनी ही राशि की दो जमानती पर रिहा कर दिया। कोर्ट ने जेल अधीक्षक की 18 जून की रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए यह राहत दी, जिसमें कहा गया था कि डबास गंभीर किडनी की बीमारी से पीड़ित हैं और सफदरजंग अस्पताल में नेफ्रोलाजिस्ट की देखरेख में इलाज चल रहा है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख था कि उन्हें टीबी के इलाज के बाद से अस्थमा की शिकायत है और सांस लेने में तकलीफ बनी रहती है। कोर्ट ने इस बात पर भी गौर किया कि जेल अस्पताल द्वारा दिए जा रहे इलाज के बावजूद डबास की स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है और यह उनके रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित कर रही है। इससे पहले, हाईकोर्ट ने दो जून को जेल प्रशासन को निर्देश दिया था कि डबास को नियमित और उचित इलाज दिया जाए, जिसमें एमआइआइ स्कैन भी शामिल है। डबास के अधिवक्ता सुमीत शौकीन ने कोर्ट में दलील दी कि जेल में मिलने वाले इलाज से उनके मुवक्किल को पर्याप्त राहत नहीं मिल रही और उनकी गंभीर बीमारियों का इलाज निजी अस्पतालों में ही संभव है। उन्होंने आठ हफ्तों की अंतरिम जमानत की मांग की थी। हालांकि, राज्य सरकार और मृतक के पिता की ओर से पेश अधिवक्ता जोशिनी तुली ने इसका विरोध किया और कहा कि जेल में ही इलाज संभव है।

डिजिटल अरेस्ट कर डॉक्टर से 14.85 लाख ठगने वाले दो जालसाज दबोचे, खाता नंबरों से दस वारदात लिंक मिले

नई दिल्ली। मध्य जिले की साइबर थाना पुलिस की टीम ने एक डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट कर 14.85 लाख ठगने वाले दो जालसाजों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बंगाल के बांकुरा जिला के बुद्धदेव हजारा और मोहम्मद साहीन खान के रूप में हुई है। दोनों ठगी की रकम ट्रांसफर करवाने के लिए गिरोह को बैंक अकाउंट उपलब्ध करवाते थे। पुलिस ने इनके कब्जे से चार मोबाइल जब्त किए हैं। देशभर से धोखाधड़ी के लिए इनके खाता नंबरों से दस वारदात लिंक मिली हैं। पुलिस इनसे पूछताछ कर गिरोह के सरगना की तलाश कर रही है। जबरन वसूली और ठगी समेत कई धाराओं में केस दर्ज उपायुक्त निधिन वालसन के मुताबिक, एक डॉक्टर को सरकारी अफसर बताकर पिछले साल डिजिटल अरेस्ट किया गया। आरोपितों ने कानूनी डर दिखा कर जबरन 14.85 रुपये ट्रांसफर करवा लिए। मध्य जिला साइबर थाने में जबरन वसूली और ठगी समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया गया। एसीपी सुरेश खुंगा की देखरेख और एसएचओ संदीप पंवार के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। जांच में पता चला कि बीते वर्ष 26 फरवरी को एसके राइस होलसेलर एंड ट्रेडिंग के और एक अन्य व्यक्ति के खाते में रकम ट्रांसफर हुई थी। टेक्निकल सर्विलांस से एक आरोपित की लोकेशन बेंगुलरु में मिली। पुलिस ने दो जुलाई को साहिन खान को बेंगलुरु के विक्टोरिया अस्पताल के पास से दबोच लिया।

1.90 करोड़ रुपये के गांजा के साथ 4 तस्कर गिरफ्तार, ओडिशा से दिल्ली लाया गया था 411 किलो नशा

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने चार ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार कर एक अंतरराज्यीय सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। इनके कब्जे से 1.90 करोड़ रुपये मूल्य के 411 किलो गांजा जब्त किया गया है। बरामद गांजा ओडिशा से लाया गया था, जिसकी आपूर्ति दिल्ली, हरियाणा व अन्य राज्यों में ड्रग्स तस्करों को की जानी थी। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल अशोक लीलैंड ट्रक और नेक्सन कार भी जब्त कर ली है। डीसीपी क्राइम ब्रांच हर्ष इंदौरा के मुताबिक गिरफ्तार किए गए तस्करों के नाम लोकेश भारद्वाज (रेवाड़ी), आशीष खासा (रेवाड़ी), मोईन खान (नूंह), श्रीकांत प्रसाद (गोपालगंज, बिहार) का रहने वाला है। "नशा मुक्त भारत अभियान" के तहत क्राइम ब्रांच ड्रग्स तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई में जुटी हुई है। इसी कड़ी में क्राइम ब्रांच को पता चला कि लोकेश भारद्वाज द्वारा संचालित एक ड्रग्स सिंडिकेट दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय रूप से अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहा है। टीम ने एसीपी अजय कुमार व इंस्पेक्टर संदीप यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गोल्फ कोर्स रोड, सेक्टर-19 द्वारका के अशोक लेलैंड और नेक्सन कार को रोक कर पहले तीन आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। ट्रक और कार से 411 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। बाद में आरोपितों से पूछताछ के आधार पर तस्करी के स्रोत श्रीकांत प्रसाद को ओडिशा से गिरफ्तार कर लिया। लोकेश भारद्वाज रेवाड़ी के एक नामी अंग्रेजी माध्यम स्कूल से स्कूली शिक्षा पूरी की। फिर उसने बी.काम में प्रवेश लिया और दूसरे वर्ष में पढ़ाई छोड़ दी। उसके बाद उसने पिता के साथ आरओ वाटर प्लांट में काम करना शुरू किया, लेकिन अपेक्षित आय नहीं होने पर आसानी से पैसा कमाने के लिए उसने ओडिश से गांजा लाकर बेचना शुरू कर दिया। आशीष खासा, लोकेश भारद्वाज का करीबी दोस्त है। उसने हरियाणा में नरेश शर्मा के ट्रांसपोर्ट आफिस में काम करना शुरू किया। बाद में उसने आसानी से पैसा कमाने के लिए लोकेश भारद्वाज के साथ गांजा बेचना शुरू कर दिया। मोईन खान पहले मैकेनिक का काम करता था। बाद में उसने गांजा सप्लायरों के कहने पर अपने ट्रक में गांजा लाना शुरू कर दिया।

100 रुपये न देने पर किशोर पर चाकू से हमला, 2 नाबालिग समेत 4 दबोचे गए

पूर्वी दिल्ली। वेलकम इलाके में सौ रुपये न देने पर 17 साल के किशोर पर चाकू से हमला कर दिया। घायल को उपचार के लिए जीटीबी अस्पताल भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर है। इस मामले में पुलिस ने दो नाबालिगों समेत चार आरोपितों को पकड़ा है। बालिग आरोपितों की पहचान वेलकम की जनता मजदूर कालोनी निवासी आसिफ उर्फ काला (20) और सुहेल (19) के रूप में हुई है। जबकि नाबालिग आरोपित 14 और 16 वर्ष के हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपियों ने पैसों को लेकर हुई कहासुनी में वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि बृहस्पतिवार देर शाम वेलकम इलाके में एक लड़के को चाकू मारने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि घायल को उसके पिता शास्त्री पार्क स्थित जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले गए हैं। पुलिस टीम वहां पहुंची तो पता चला कि घायल को जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया है। जीटीबी अस्पताल से पुलिस को जानकारी मिली कि 17 साल के किशोर चाकू लगने से घायल है और उसकी हालत गंभीर है। जांच करने पर सामने आया कि किशोर कुछ सामान लेने के लिए जा रहा था। तभी उस पर हमला हुआ। पुलिस ने तत्काल प्राथमिकी कर जांच शुरू कर दी। एसीपी भजनपुरा विवेक त्यागी की निगरानी और वेलकम थाना प्रभारी रूपेश खत्री के नेतृत्व में टीम ने वारदात में शामिल आरोपितों की पहचान कर ली। फिर आरोपित आसिफ और सुहेल समेत दो नाबालिग को वेलकम से ही दबोच लिया। शुरूआती जांच में आरोपित बताते रहे कि पुरानी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया। लेकिन पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वारदात में शामिल आरोपित क्षेत्र में झपटमारी करते हैं। इन्होंने वारदात वाले दिन पीड़ित किशोर के पास 100 रुपये देख लिए थे। उससे यह रुपये छीन रहे थे, जिसे लेकर इनकी उससे कहासुनी हो गई। इसी बात पर नाबालिग आरोपितों ने अपने दो और साथियों को बुला लिया। इसके बाद चारों ने किशोर को पकड़ा और उस पर चाकू से हमला कर दिया। घायल किशोर नौवीं कक्षा का छात्र है।

कांवड़ कंधे पर लेकर चलने वालों में आई आई टियन भी; कांवड़ियों में हर प्रोफेशन के धुरंधर

नई दिल्ली। भीषण गर्मी और दुर्गम रास्तों में कंधे पर 81 लीटर गंगाजल की कांवड़ लेकर चलना कोई आसान काम नहीं है और श्रद्धा व आस्था के साथ हिम्मत भी चाहिए। इसलिए कांवड़ के साथ यह भ्रम जुड़ गया है कि ग्रामीण परिवेश से जुड़े भक्त ही भोले की भक्ति के लिए लंबी यात्राएं करते हैं। मगर हरिद्वार से दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान तक लगभग 250-300 किलोमीटर की पैदल यात्रा करने वाले इन भक्तों में आईआईटीयन से लेकर मल्टी नेशनल कंपनी में काम करने वाले तक शामिल हैं। आइए आज ऐसे ही शिवभक्तों के बारे में जानते हैं... कांवड़ियों में शामिल हर पेशे के लोग कश्मीरी गेट बस अड्डे पर हरिद्वार से धौला कुआं होते हुए राजस्थान और हरियाणा की ओर लौट रहे कांवड़ियों से जब बात की गई, तो सामने आया कि इनमें से अधिकांश लोग पढ़े-लिखे हैं और किसी न किसी सरकारी, प्रशासनिक, पुलिस या निजी क्षेत्र में कार्यरत हैं। पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी इस यात्रा में बढ़-चढ़कर भाग ले रही हैं। दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश से आए इन भक्तों में कोई इंजीनियर है, कोई पुलिसकर्मी तो कोई व्यापारी। कई महिलाएं गृहिणी होते हुए भी परिवार की सुख-शांति के लिए छालों और पट्टियों के बावजूद पैदल कांवड़ ला रही हैं। इस दौरान गुरुग्राम का एक एनएसजी कमांडो भी मिला। जो ड्यूटी से छुट्टी लेकर हरिद्वार जल लेने गए थे।

दिल्लीवालों को ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत, इस रोड पर बंद होंगे 13 ट्रैफिक सिग्नल; खुलेंगे 25 यू-टर्न

बाहरी दिल्ली। भीड़भाड़ और ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत के लिए यातायात पुलिस ने एनएसपी (नेताजी सुभाष प्लेस) वाया मधुबन चौक से लेकर रोहिणी हेलीपोर्ट तक 12 किलोमीटर लंबे सड़क मार्ग के लिए पायलट परियोजना तैयार की है। इस परियोजना के तहत 13 ट्रैफिक सिग्नल बंद होंगे और इसके स्थान पर बैक टू बैक लगभग 25 यू-टर्न (कट-इन-मीडियन) बनाए जाएंगे। इस परियोजना पर काम शुरू हो चुका है। इन 25 यू-टर्न में से लगभग 10 को भारी वाहनों की सहूलियत के हिसाब से तैयार किया जाएगा। सिग्नल-फ्री होगा 12 किलोमीटर लंबा मार्ग त्तरी दिल्ली के हकीकत नगर से किंग्स-वे कैंप कॉरिडोर पर सिग्नल बंद कर यू-टर्न शुरू करने के परिणाम से उत्साहित होकर यातायात पुलिस ने एनएसपी से लेकर रोहिणी हेलीपोर्ट तक 12 किलोमीटर लंबे सड़क मार्ग को पूरी तरह से सिग्नल-फ्री करने का निर्णय लिया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) मोनिका भारद्वाज ने बताया कि बैक टू बैक यू-टर्न से ट्रैफिक की आवाजाही बनी रहती है। इस मॉडल के सकारात्मक परिणाम आए हैं और ट्रैफिक कंजेशन (यातायात संकुलन) से काफी राहत मिली है। इसी आधार पर एनएसपी से लेकर रोहिणी हेलीपोर्ट तक ट्रैफिक सिग्नल बंद कर यू-टर्न का निर्णय लिया गया है। अगर यह परियोजना सफल रही, तो हम इसे अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी लागू करेंगे। हम दिल्ली की सबसे भीड़भाड़ वाली सड़कों को यात्रियों के लिए आसान बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। एनएसपी से शुरू होकर मधुबन चौक और भगवान महावीर मार्ग से जुड़कर रोहिणी हेलीपोर्ट तक जाने वाले इस कोरिडोर को यातायात के लिहाज से राजधानी के सबसे व्यस्तम मार्गों में से एक माना जाता है। इस मार्ग को बाहरी दिल्ली की लाइफ-लाइन भी कहा जाता है। इस मार्ग भगवान महावीर मार्ग पर दो बड़े अस्पताल (अंबेडकर अस्पताल व राजीव गांधी कैंसर अस्पताल) हैं, डीटीसी डिपो, छह मेट्रो स्टेशन, कई शिक्षण संस्थान के अलावा दमकल केंद्र है। बवाना-नरेला के अलावा यूईआर को भी कनेक्ट करता है। इस परियोजना के तहत इस मार्ग के दोनों छोर यानी एनएसपी ट्रैफिक सिग्नल और पंसाली ट्रैफिक सिग्नल की ओर से काम शुरू हो चुका है।

चोरी के आईफोन नेपाल में बेचने वाला गिरफ्तार, आसानी से पैसा कमाने की चाहत में पहुंचा सलाखों के पीछे

नई दिल्ली। चोरों और झपटमारों से आईफोन और एंड्राइड मोबाइल खरीदकर उन्हें मुनाफे के साथ नेपाल के रिसीवर को बेचने वाले कुख्यात अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ता सतेंद्र प्रताप सिंह को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने करोल बाग के बीडनपुरा गांव स्थित उसकी दुकान में छापा मार 16 आईफोन समेत 42 एंड्राइड फोन बरामद किए। बरामद मोबाइल को आरोपित नेपाल में आपूर्ति करने की योजना बना रहा था। इसकी गिरफ्तारी से पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर में हुई चोरी की चार वारदातों को सुलझा लिया है। इसके खिलाफ मोबाइल चोरी, घर में चोरी, झपटमारी और लूटपाट के पहले के 10 मामले दर्ज हैं। डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक सतेंद्र प्रताप सिंह, महरोली में रह रहा था। वह पहले छतरपुर एक्सटेंशन में रहता था। वह मूलरूप से लखीमपुर खीरी, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। 1999 में वह दिल्ली आ गया था। 1997 से 2000 तक उसने पंजाबी बाग में एक पीसीओ पर काम किया। उसके बाद, वह पुराने फोन और मोबाइल एक्सेसरीज बेचने वाली दुकानों में काम करते रहे। 2017 में उसने आसानी से पैसा कमाने की चाहत में अपराधियों से मोबाइल फोन खरीदना शुरू कर दिया। जिसके बाद उसे चोरी, घर में चोरी और मोबाइल फोन की लूट सहित 10 आपराधिक मामलों में गिरफ्तार किया गया।उसके घर से सैकड़ों मोबाइल फोन, लैपटाप बरामद किए गए। तिहाड़ जेल में रहने के दौरान उसकी दोस्ती अन्य अपराधियों से हुई। तीन महीने जेल में बिताने के बाद, उसने करोल बाग से मोबाइल एक्सेसरीज की आपूर्ति शुरू कर दी और जूते, ब्लूटूथ, घड़ियां और इलेक्ट्रिक उपकरण आदि की पहली प्रति आनलाइन बेचना शुरू कर दिया। वह चोरी, झपटमारी के मोबाइल खरीदने लगा। हाल के दिनों में दिल्ली में चोरी के मोबाइल फोन के मामलों में वृद्धि देखी गई, जिससे नागरिकों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों में चिंता पैदा हो गई है। इस प्रवृत्ति का संज्ञान लेते हुए क्राइम ब्रांच को चोरी के मोबाइल फोन की चोरी और अवैध व्यापार में शामिल संगठित गिरोहों की जांच और उनपर नकेल कसने का काम सौंपा गया था। जांच से पता चला कि चोरी के मोबाइल फोन दिल्ली से तस्करी करके नेपाल सहित पड़ोसी देशों में ले जाए जाते हैं, जहां उन्हें ग्रे मार्केट में बेचा जाता है। इस रैकेट से न केवल नागरिकों को आर्थिक नुकसान हो रहा है बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी बड़ा खतरा रहता है। 19 जुलाई को एसआई अमित कुमार को सूचना मिली कि नेपाल में चोरी के मोबाइल फोन का कुख्यात रिसीवर और सप्लायर सतेंद्र प्रताप सिंह उर्फ सुरजीत, करोल बाग के बीड़नपुरा गांव स्थित अपनी दुकान में चोरी के मोबाइल फोन खरीद रहा है। एसीपी अजय कुमार व इंस्पेक्टर संजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपित को गिरफ्तार कर उसकी दुकान से 16 आईफोन और अन्य एंड्राइड फोन सहित 42 चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए।

चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया मैनचेस्टर पहुंची, इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में होगा मुकाबला

मैनचेस्टर (यूके) (एजेंसी)। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी की 5 मैचों की श्रृंखला के चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया रविवार को मैनचेस्टर पहुंची। यह टेस्ट मैच बुधवार 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा। जिन खिलाड़ियों के यहां पहुँचने की सूचना मिली, उनमें टीम के कप्तान शुभमन गिल, उप-कप्तान ऋषभ पंत और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल शामिल थे।

बाएं हाथ के बल्लेबाज साई सुदर्शन, दाएं हाथ के बल्लेबाज करुण नायर, अनकैप्ड खिलाड़ी अभिमन्यु ईश्वरन और ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी जैसे अन्य खिलाड़ी भी मैनचेस्टर पहुंचते ही सुर्खियों में आ गए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कुछ अन्य खिलाड़ियों की तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनमें ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर के साथ विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल शामिल थे।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप और अर्शदीप के साथ-साथ बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव भी नजर आए। 193 रनों का पीछा करते हुए पुछल्ले बल्लेबाजों और रवींद्र जडेजा के संघर्षपूर्ण प्रयास के बावजूद लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट सिर्फ 22 रन से हारने के बाद भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 1-2 से पीछे है और चौथे टेस्ट में जीत दर्ज करना चाहेगी।

भारत की टीम

शुबमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

श्रीशंकर ने पुर्तगाल में लंबी कूद का खिताब जीता, तोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप पर नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार लांग जंपर मुरली श्रीशंकर ने पुर्तगाल के माइया में विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के कांस्य स्तर के टूर्नामेंट मीटिंग माइया सिडाडे डो डेसपोर्टो में 7.75 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीत लिया।

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने शनिवार की रात को दूसरे दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। उन्होंने 7.63 मीटर की कूद के साथ शुरूआत की और दूसरे दौर में 7.75 मीटर की कूद लगाई। तीसरी कूद में उन्होंने 7.69 मीटर का फासला नापा। अगला प्रयास फाउल रहा और इसके बाद 6.12 और 7.58 मीटर की कूद लगाई।

पोलैंड के पियोत्र तारकोवस्की ने भी 7.75 मीटर की कूद लगाई लेकिन उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास 7.58 मीटर था जो श्रीशंकर के 7.69 मीटर से कम था। विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार अगर दो खिलाड़ियों में टाई होता है तो दूसरी वैध कूद को टाइब्रेकर माना जाता है।

घुटने के आपरेशन के कारण लंबे समय खेल से दूर रहे श्रीशंकर ने इस महीने की शुरूआत में इंडियन ओपन एथलेटिक्स मीट के जरिये वापसी की है। उनकी नजरें सितंबर में तोक्यो में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर लगी है जिसके लिए स्वतः क्वालीफिकेशन मार्क 8.27 मीटर है। वह 14 अगस्त तक यूरोप और मध्य एशिया में टूर्नामेंट खेलेंगे जिसके लिए सरकार ने 5.58 लाख रुपए मंजूर किए हैं।

एक-दो नहीं, तीन रिकॉर्ड्स पर शुभमन गिल की नजरें, एक है 19 साल पुराना

मैनचेस्टर (यूके) (एजेंसी)। भारतीय टीम मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के चौथे टेस्ट मैच में खेलने के लिए पहुंच चुकी है। मुकाबला 23 जुलाई (बुधवार) से शुरू होगा। मेहमान टीम के लिए यह करो या मरो का मुकाबला है क्योंकि टीम लॉर्ड्स में हार गई थी जिस वजह से सीरीज में इंग्लैंड 2-1 से आगे है। इस मैच में भारतीय कप्तान शुभमन गिल एक बार फिर सुर्खियों में होंगे क्योंकि वह एक-दो नहीं बल्कि तीन रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। इसमें से एक रिकॉर्ड तो 19 साल पुराना है।

शुभमन गिल ने अब तक सीरीज में 101 की औसत और 269 के सर्वोच्च स्कोर के साथ 607 रन बनाए हैं। यदि गिल आगामी मैच में 25 रन बना लेते हैं, तो वह पाकिस्तान के महान बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ को पीछे छोड़कर इंग्लैंड में द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले एशियाई बल्लेबाज बन जाएंगे। यूसुफ ने 2006 में इंग्लैंड के खिलाफ उनके मैदानों पर 631 रन बनाए थे।

अगर शुभमन गिल मैनचेस्टर टेस्ट में 146 रन बनाते हैं, तो उनके नाम इस सीरीज में 753 रन हो जाएंगे जिससे वह भारत और इंग्लैंड के बीच किसी एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। यह रिकॉर्ड फिलहाल ग्राहम गूच के नाम है जिन्होंने 1990 में 752 रन बनाए थे।

इन दो रिकॉर्ड्स के अलावा अगर शुभमन गिल 107 रन बनाते हैं, तो वह इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन सकते हैं। यशस्वी जायसवाल फिलहाल 712 रनों के साथ शीर्ष पर हैं जो उन्होंने 2024 में बनाए थे।

केएल राहुल 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने के कगार पर, चाहिए मात्र इतने रन

मैनचेस्टर (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट नजदीक आ रहा है और सभी की नजरें भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल पर होंगी जिन्होंने अब तक इंग्लैंड में अपने करियर को परिभाषित करने वाली श्रृंखला खेली है और 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने से सिर्फ 60 रन दूर हैं। इंग्लैंड श्रृंखला में 2-1 से आगे और भारत को सीरीज बराबर करने के लिए चौथा टेस्ट जीतना होगा।

अपने अब तक के अंतरराष्ट्रीय करियर में केएल ने 218 मैचों की 254 पारियों में 39.73 की औसत से 19 शतकों और 58 अर्द्धशतकों के साथ 8,940 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 है। वे सर्वकालिक सूची में भारत के लिए 16वें सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। अपनी उत्कृष्ट तकनीक, संयम और विविध शॉट्स के बावजूद टेस्ट क्रिकेट आश्चर्यजनक रूप से उनका सबसे कम असफल प्रारूप रहा है, जिसमें उन्होंने 61 मैचों और 107 पारियों में 35.26 की औसत से 3,632 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रहा है।

उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी और इसके परिणामस्वरूप बल्लेबाजी औसत में ठहराव की भी जांच की जा रही है, यहां तक कि केएल ने भी स्वीकार किया कि उनके बल्लेबाजी औसत को

देखकर उन्हें ÷दुख होता है÷। वे एकदिवसीय मैचों में कहीं अधिक सफल रहे हैं, जहां उन्होंने 85 मैचों और 79 पारियों में 49.08 की औसत और 88.17 की स्ट्राइक रेट से 3,043 रन बनाए हैं, जिसमें 7 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं। टी20आई में वह भारत के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। राहुल ने 72 मैचों और 68 पारियों में 37.75 की औसत और लगभग 140 के स्ट्राइक रेट से 2,265 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और 22 अर्द्धशतक शामिल हैं। हालांकि, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में एक विनाशकारी टी20 विश्व कप 2022 के बाद से टी20आई नहीं खेला है, क्योंकि भारत में युवा, निडर और कठोर टी20आई विशेषज्ञों की तुलना में उनकी स्कोरिंग दर कई बार पुरानी लगती है।

मौजूदा श्रृंखला में केएल ने तीन मैचों और छह पारियों में 62.50 की औसत से 375 रन बनाए हैं, जिसमें 137 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर, दो शतक और एक अर्द्धशतक शामिल है। वह श्रृंखला में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों की 24 पारियों में उन्होंने 41.20 की औसत से 989 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन है। अपने फॉर्म में उतार-चढ़ाव के बावजूद वह एशिया के बाहर भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं, क्योंकि उनके दस में से नौ टेस्ट शतक घर से बाहर आए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके 7 टेस्ट शतक दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया (स्थ्ङ्ग) देशों में आए हैं, जिनमें से एक शतक ऑस्ट्रेलिया में और दो दक्षिण अफ्रीका में हैं। दो मैच शेष रहते हुए, केएल के पास इस श्रृंखला को सांख्यिकीय रूप से अपना सर्वश्रेष्ठ टेस्ट शतक बनाने का पूरा मौका है। उनकी सर्वश्रेष्ठ टेस्ट सीरीज 2016-17 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज रही है जिसमें उन्होंने चार मैचों और सात पारियों में 65.50 की औसत से 393 रन बनाए हैं जिसमें उनके नाम छह अर्धशतक और 90 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है।

इस दौरे पर अब तक राहुल ने 670 गेंदों का सामना किया है, जो 1990 के बाद से इंग्लैंड में किसी भारतीय सलामी बल्लेबाज द्वारा किसी दौरे पर चौथा सबसे ज़्यादा है। दो और मैच बचे हैं, ऐसे में उनके पास 2021 के दौरे के दौरान 735 गेंदों के अपने ही रिकॉर्ड, रोहित शर्मा द्वारा इसी दौरे में सामना की गई 866 गेंदों और 2014 में मुरली विजय के 1,054 गेंदों के सर्वकालिक रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का पूरा मौका है। टीम में एक सीनियर खिलाड़ी के रूप में राहुल ने युवाओं और पुरानी पीढ़ी के बीच एक बेहतरीन कड़ी का काम किया है। जहां आलोचकों ने पहले हर टेस्ट मैच के साथ लय और रन खोने के लिए उनकी आलोचना की थी, वहीं केएल ने इस बार अपने बल्ले से उन्हें चुप करा दिया है और कम से कम हर टेस्ट में पचास से ज़्यादा का स्कोर बनाया है।

बीसीसीआई ने कंबोज को भारतीय दल में शामिल किया

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड दौरे में भारतीय खिलाड़ियों के चोटिल होने के सिलसिले को देखते हुए तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को कवर के तौर पर शामिल किया है।भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा।इस मुकाबले से पहले उपकप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल हैं जबकि आकाशदीप की कमर में दर्द है।वहीं अर्शदीप सिंह की अंगुली में चोट लगी है। चोटिल खिलाड़ियों की बढ़ती संख्या से परेशान होकर ही बीसीसीआई चयनसमिति ने भारतीय दल में कंबोज को शामिल करने का फैसला किया।कंबोज को अर्शदीप के चोटिल होने के बाद कवर के तौर पर शामिल किया गया है।बीसीसीआई के अनुसार, अर्शदीप के हाथ में टांके लगे हैं।ऐसे में उन्हें पूरी तरह से फिट होने में कम से कम दस दिन लगेंगे।इसी को देखते हुए ही चयनकर्ताओं ने कंबोज को टीम से जोड़ा है। कंबोज पिछले महीने भारत ए टीम में शामिल थे, ऐसे में उन्होंने वहां दो तीन दिवसीय मैच खेले थे जिस कारण उन्हें हालातों का अंदाजा है। उन्होंने भारत ए की ओर से अच्छी गेंदबाजी करते हुए अपने दोनों मैचों में पांच विकेट लिए थे।इस तेज गेंदबाज ने अपनी गति और कसी हुई लाइन से सभी को प्रभावित किया था। कंबोज ने फर्स्ट क्लास करियर में अब तक हरियाणा के लिए अभी तक 24 मैचों में 79 विकेट लिए हैं।ऐसे में अगर आकाशदीप मैच से पहले पूरी तरह फिट हो पाते हैं या नहीं।तो प्रसिद्ध कृष्णा या फिर कंबोज में से किसी को अवसर मिल सकता है।

अर्शदीप के चोटिल होने से मैनचेस्टर टेस्ट से डेब्यू का सपना टूटा

लंदन।23 जुलाई से मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के चोटिल होने से भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। अर्शदीप के हाथ में अभ्यास सत्र के दौरान चोट लग गयी। ऐसे में अब उनके इस मैच तक फिट होने की काफी कम संभावनाएं हैं। भारतीय टीम के लिए ये इसलिए भी बड़ा झटका है क्योंकि दूसरे टेस्ट में जीत दिलाने वाले तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह पहले ही कमर के दर्द से पीड़ित हैं। इसको देखते हुए टीम प्रबंधन आकाशदीप की जगह अर्शदीप को उतरना चाहता था पर अब ये संभव नजर नहीं आता। अभ्यास सत्र के दौरान साई सुदर्शन की गेंद को फॉलो-थ्रू पर रोकते समय अर्शदीप के हाथ में चोट लग गई थी। उनके हाथ में टांके लगाए गए हैं, ऐसे में अब उनके खेलने के लिए फिट होने की संभावना कम है। इससे उनका टेस्ट डेब्यू का सपना भी टल गया है। वहीं आकाश दीप की उपलब्धता पर अभी भी संशय बना हुआ है क्योंकि वह कमर के दर्द से पीड़ित हैं। आकाश दीप ने मैनचेस्टर रवाना होने से पहले भारतीय टीम द्वारा आयोजित नेट सेशन में भी भाग नहीं लिया था। इंग्लैंड दौरे पर खिलाड़ियों विशेषकर गेंदबाजों के चोटिल होने से भारतीय टीम प्रबंधन भी परेशान हैं। आकाशदीप और अर्शदीप सिंह से पहले उप-कप्तान ऋषभ पंत भी लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। ऐसे में ऋषभ के भी मैनेचेस्टर में खेलने की संभावनाएं भी काफी कम है, उनकी जगह ध्रुव जुरेल को अवसर मिल सकता है। वहीं मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का खेलना भी तय नहीं है। बुमराह ने पहले ही साफ कर दिया था कि इस दौरे पर वह तीन मैच ही खेलेंगे। उन्होंने लीड्स और लॉर्ड्स में दो टेस्ट मैच खेल लिए हैं पर गेंदबाजों के फिट नहीं होने के कारण उन्हें उतरना पड़ सकता है।

महिला विश्व कप शतरंज: इतिहास रचते हुए हंपी, हरिका, वैशाली और दिव्या पहुँची क्वार्टर फाइनल में

बातुमी, जॉर्जिया (एजेंसी)। भारतीय महिला शतरंज टीम द्वारा पिछले वर्ष शतरंज ओलंपियाड का स्वर्ण पदक जीतना कोई तुक्का नहीं था और शतरंज में पुरुषो की तरह महिलाएं भी इतिहास रच रही है। विश्व शतरंज दिवस के ठीक पहले फीडे महिला विश्व कप शतरंज 2025 में भारतीय महिला शतरंज ने नया इतिहास रच दिया है। प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहली बार चार भारतीय महिलाएं जगह बनाने में सफल हुई हैं। इसका मतलब है कि अंतिम आठ में से आधी खिलाड़ी भारत से हैं। ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी, हरिका द्रोणावल्ली, आर वैशाली और इंटरनेशनल मास्टर दिव्या देशमुख ने चौथे राउंड में अपने-अपने टाइब्रेक मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल का टिकट कटाया।

दिव्या ने जिनेर झू को चौंकाया - दिव्या देशमुख ने चीन की दूसरी वरीय ग्रैंडमास्टर जिनेर झू को 2.5-1.5 से हराकर सबसे बड़ी जीत हासिल की। पहले गेम में जीत

हासिल करने के बाद उन्होंने दूसरा गेम ड्रॉ करते हुए मैच अपने नाम किया।

हंपी ने कोस्टेनियुक को किया बाहर - रूस की पूर्व विश्व चैम्पियन अलेक्ज़ान्द्रा कोस्टेनियुक को दो रैपिड टाईब्रेक में पछाड़ते हुए कोनेरू हंपी ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इससे यह तय हो गया कि इस बार विश्व कप में नया विजेता मिलेगा क्योंकि कोस्टेनियुक 2021 की पहली विजेता थीं। हरिका द्रोणावल्ली ने पहले टाईब्रेक गेम में हारने के बाद जोरदार वापसी की और अंततः 3.5-2.5 के स्कोर से रूस की कतेरीना लाग्नो को मात दी।

वैशाली की सबसे लंबी लड़ाई - आर वैशाली को कजाखस्तान की मेरुएर्त कमालिदेनोवा के खिलाफ आठ गेम की लंबी टाईब्रेक लड़ाई लड़नी पड़ी। अंततः उन्होंने 4.5-3.5 से जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

सेमीफाइनल में भारत की उपस्थिति तय

क्वार्टर फाइनल में दिव्या देशमुख और हरिका द्रोणावल्ली आमने-सामने होंगी, जिससे यह सुनिश्चित हो गया है कि सेमीफाइनल में भारत की कम से कम एक खिलाड़ी जरूर पहुंचेगी। यह उपलब्धि भारतीय महिला शतरंज के इतिहास में पहली बार होगी।

क्वार्टर फाइनल में कोनेरू हंपी चीन की युशिन सॉन्ग से दिव्या देशमुख हमवतन हरिका द्रोणावल्ली से, आर वैशाली चीन की जीएम झोंगी तान से और चीन की तिंगजी लेई जॉर्जिया की नाना डजगनिड्जे से मुक़ाबला खेलेंगी। आज तक कोई भी भारतीय महिला खिलाड़ी नें विश्व कप नहीं जीता है क्या इस बार यह कारनामा होगा इस पर दुनिया भर की नजरे होंगी।

अगले माह श्रीलंका में खेलते नजर आ सकते हैं विराट और रोहित

मुम्बई ।क्रिकेट प्रशंसकों का विराट कोहली और रोहित शर्मा को खेलते देखने का सपना शीर्ष ही पूरा हो सकता है।विराट और रोहित टी20 और टेस्ट से संन्यास लेने के कारण अब केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलेंगे, इसी कारण ये दोनो लंबे समय से मैदान से बाहर हैं।रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम को अगस्त में बांग्लादेश दौरे पर जाना था पर वहां के खराब हालातों को देखते हुए भारतीय बोर्ड ने ये दौरा रद्द कर दिया था।जिससे प्रशंसक निराश थे पर अब प्रशंसकों की इन दोनो को खेलते हुए देखने की इच्छा शीघ्र पूरी हो सकती है क्योंकि भारतीय टीम अब अगले माह श्रीलंका दौर पर जा सकती है। श्रीलंका बोर्ड ने बीसीसीआई से सामने एक सीरीज का प्रस्ताव रखा है जिसपर बोर्ड विचार कर रहा है।माना जा रहा है कि बीसीसीआई श्रीलंकाई बोर्ड का ये प्रस्ताव मान लेगा। ऐसे में प्रशंसकों को रोहित और विराट को खेलते हुए देखने का अवसर मिल जाएगा।इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैच की टेस्ट सीरीज के बाद भारत को 17 अगस्त से बांग्लादेश का दौरा करना था पर बांग्लादेश में सुरक्षा संबंधित चिंताओं की वजह से दोनों देशों के बोर्ड ने इस दौरे को अगले सात तक के लिए स्थगित कर दिया था। वहीं श्रीलंका क्रिकेट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमें बीसीसीआई से सकारात्मक जवाब की उम्मीद है।इसपर आगे की चर्चा सिंगापुर में आईसीसी बैठक के दौरान होगी।अगर इस दौरे की अनुमति मिलती है तो इस सीरीज का आयोजन कोलंबो और कैंडी में हो सकता है।श्रीलंका ने पहले तीन मैच की एकदिवसीय और इतने ही मैच की टी20 सीरीज का प्रस्ताव दिया था, मगर अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए टी20 सीरीज के मैचों को बढ़ाया भी जा सकता है।

अब बिहार में अकादमी खोल रहे पठान बंधु

मधुबनी ।पूर्व क्रिकेट इरफान पठान और उनके भाई यूसुफ पठान प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को एक मंच देने के लिए बिहार के एक छोटे से शहर मधुबनी में क्रिकेट अकादमी खोलने जा रहे हैं।पठान भाइयों का लक्ष्य छोटे शहरों के बच्चों को भी बेहत कोचिंग की सुविधा देना है।इस अकादमी के लिए रजिस्ट्रेशन अभी से शुरु हो गया है।उम्मीद की जा रही है कि इस महीने के अंत तक या अगले महीने तक इसका उद्घाटन भी करा दिया जाएगा।पठान भाइयों ने पहले से ही देश के कई शहरों में अपनी अकामियां खोली हुई हैं।जिससे प्रतिभावान बच्चों को खेलने में कोई परेशानी न आये।इस कड़ी में दोनों भाइयों ने मिलकर मधुबनी में भी क्रिकेट अकादमी खोलने की ये योजना बनाई है।इसमें नामांकन को लेकर संख्या अभी स्पष्ट नहीं है पर रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है।इसी के तहत ही मैदान तैयार करने के साथ ही जगह-जगह पर नेट्स लगाए गए हैं।

टीम इंडिया से बाहर होने के बाद भी करोड़ों कमा रहे ईशान किशन

मुम्बई ।भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कुछ ही समय में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनायी है।उनके नाम एकदिवसीय में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का विश्व रिकार्ड है। घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण उन्हें अनुशासनहीनता के कारण पिछले दो साल से भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है पर इसके बाद भी उनकी कमाई पर कोई अधिक प्रभाव नहीं पड़ा है। बीसीसीआई ने हालांकि इस बार उन्हें सी वर्ग का करार दिया है। जिससे सालाना एक करोड़ रुपये की राशि मिलेगी। माना जा रहा है कि उनकी भविष्य में टीम में वापसी हो सकती है। ईशान की कमाई क्रिकेट के अलावा बड़ी कंपनियों के विज्ञापन से होती है। इसके अलावा आईपीएल से भी उनको करोडों की रकम मिलती है। वह काउंटी से भी कमाई करते हैं।एक रिपोर्ट के अनुसार ईशान की नेटवर्थ तकरीबन 60 करोड़ रुपये है।2025 की आईपीएल मेगा ऑक्शन में ईशान किशन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 11.25 करोड़ रुपये में खरीदा था।वहीं साल 2022 से 2024 तक उन्हें मुंबई इंडियंस से आईपीएल में वेतन के तौर पर 15.25 करोड़ रुपये मिले हैं।

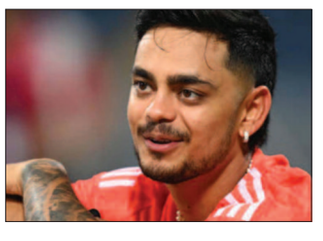

हम परिस्थितियों से जल्दी सामंजस्य नहीं बिठा सके: स्मृति मंधाना

इस्लामाबाद (एजेंसी)। लंदन ¬ अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे एकदिवसीय में इंग्लैंड से हार के बाद स्वीकार किया कि भारतीय खिलाड़ी लॉर्ड्स मैदान की मुश्किल परिस्थितियों के अनुकूल नहीं ढल पाए और बल्लेबाजों ने समझदारी भरे शॉट नहीं खेले। भारत ने साउथम्पटन में खेले गए पहले मैच में चार विकेट से जीत हासिल की लेकिन शनिवार को लॉर्ड्स में खेले गये बारिश से प्रभावित मुकाबले में उन्हें आठ विकेट से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। उप-कप्तान मंधाना (42) और दीप्ति शर्मा (30 नाबाद) को छोड़कर कोई भी भारतीय बल्लेबाज इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने चुनौती पेश करने में विफल रहा। भारतीय टीम 29 ओवर में आठ विकेट पर 143 रन ही बना सकी।

मंधाना ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि बल्लेबाजी इकाई के तौर पर हम परिस्थितियों के अनुकूल जल्दी नहीं ढल पाये। हमने कुछ ऐसे शॉट खेलने की कोशिश की जो लॉर्ड्स जैसी पिच शायद आसान नहीं थे।' मंधाना ने स्वीकार किया कि मैच शुरू होने से पहले बारिश के कारण लंबे ब्रेक से खिलाड़ियों की एकाग्रता प्रभावित हुई। उन्होंने कहा, 'बारिश से प्रभावित मैच में ध्यान केंद्रित करना हमेशा बहुत मुश्किल होता है। हमें मैच शुरू होने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। इस तरह के मैचों में टॉस अगर आपके पक्ष में नहीं रहा तो मुश्किलें और बढ़ सकती है। यह हम सभी के लिए एक कड़ी चुनौती थी। हम कुछ पहलुओं पर और बेहतर कर सकते थे।'

इस खब्बू बल्लेबाज ने कहा कि कहा कि लॉर्ड्स में रन बनाना हमेशा मुश्किल काम होता है और उनकी टीम कुछ महत्वपूर्ण सबक लेकर वापस लौटेगी। उन्होंने कहा, 'कई खिलाड़ियों को लॉर्ड्स में पहली बार खेलने का मौका मिला। उत्साह काफी ज्यादा था। इसलिए मुझे यकीन है कि बहुत से इन खिलाड़ियों ने काफी कुछ सीखा होगा।'

भारत ने 2017 में इसी मैदान पर इंग्लैंड से विश्व कप फाइनल हारा था। इस मैच में नौ रन की हार के बावजूद टीम के प्रदर्शन का ग्राफ उसके बाद ऊपर चढ़ा। मंधाना ने कहा कि पिछले आठ साल भारत में महिला क्रिकेटरों के लिए शानदार रहे हैं। उन्होंने कहा, 'महिला क्रिकेट, खास कर भारत में 2017 के बाद काफी बदलाव आया है। हम सब उस दिन जीत नहीं पाने से बहुत निराश थे, लेकिन जब हम भारत लौटे तब हमें नायकों जैसा स्वागत मिला। हर कोई महिला क्रिकेट के बारे में बहुत कुछ जानने लगा।'

उन्होंने कहा, 'पिछले आठ वर्षों से हम जहां भी खेलते हैं स्टेडियम में मौजूद भारतीय प्रशंसकों की संख्या से हमें लगता है कि हम

घरेलू मैदान पर खेल रहे हैं। लोग हमें देखने आते हैं, हमारी आलोचना करते हैं, हमारी सराहना करते हैं, जो सब अच्छा है क्योंकि इससे क्रिकेट को बढ़ावा मिल रहा है।'

विक्रांत मेस्सी ने छोड़ी रणवीर सिंह की डॉन 3

स्क्रिप्ट-किरदार पसंद नहीं आया, अब नेगेटिव रोल के लिए विजय देवरकोंडा और आदित्य रॉय कपूर से बातचीत जारी

फरहान अख्तर के निर्देशन में बन रही फिल्म डॉन 3 की कास्टिंग में लगातार दिक्कतें हो रही हैं। कुछ समय पहले ही कियारा आडवाणी ने प्रेग्नेंसी के चलते लीड रोल छोड़ दिया था। वहीं अब फिल्म में नेगेटिव रोल के लिए साइन किए जा चुके एक्टर विक्रांत मेस्सी ने भी फिल्म से हटने का फैसला लिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्रांत को उनका रोल पसंद नहीं आ रहा था। हाल ही में आई बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म से जुड़े करीबी सूत्र ने बताया है विक्रांत मेस्सी को डॉन 3 में उनके किरदार में गहराई की कमी लगी, जिससे उन्होंने इससे हटने का बोल्ड फैसला लिया है। फिल्म में उनका किरदार नेगेटिव था, जो चिकनी-चुपड़ी बातें करने वाला घोटालेबाज है। फिल्म में उनके लीड एक्टर रणवीर सिंह के साथ भी कई एक्शन सीक्वेंस थे। अब फरहान अख्तर को फिर एक बार कास्टिंग के लिए जद्दोजहद करनी पड़ेगी। मेकर्स नए एक्टर की तलाश में जुट चुके हैं। सूत्र के अनुसार, मेकर्स विजय देवरकोंडा और आदित्य रॉय कपूर से इस रोल पर चर्चा कर रहे हैं, हालांकि दोनों की तरफ से अब तक कोई जवाब नहीं मिला है।

कियारा आडवाणी ने भी छोड़ी फिल्म

जिस समय फिल्म बननी शुरू हुई थी, उस समय रणवीर सिंह के साथ कियारा आडवाणी लीड रोल में थीं। लेकिन प्रेग्नेंसी अनाउंस करने के ठीक बाद कियारा ने मेटरनिटी ब्रेक लेने के लिए अचानक फिल्म छोड़ दी। मेकर्स ने उनके इस फैसले का सम्मान किया था। कियारा की जगह अब फिल्म में कृति सेनन को साइन किया गया है।

जनवरी 2026 में शुरू होगी शूटिंग

फरहान अख्तर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग जनवरी 2026 से शुरू होने वाली है। पहले मेकर्स 2025 से शूटिंग शुरू करना चाहते थे। बताते चलें कि फिल्म की शूटिंग लंदन में होने वाली है।

प्रीति झंगियानी ने दीपिका का किया समर्थन

हाल ही में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की आठ घंटे की शूटिंग शिफ्ट की मांग को लेकर फिल्म इंडस्ट्री में बहस छिड़ गई है। इस मामले पर कई सेलेब्स ने अपने विचार साझा किए हैं। ऐसे में इस मामले पर अभिनेत्री और बिजनेसवुमन प्रीति झंगियानी ने खास बातचीत में दीपिका पादुकोण की आठ घंटे की शिफ्ट की मांग

दीपिका ने आठ घंटे की शिफ्ट की मांग की थी

आपको बता दें दीपिका पादुकोण ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में काम करने के दौरान छह से आठ घंटे की ही शूटिंग करने की डिमांड रखी थी। इसकी वजह यह थी कि वह अपनी बेटी दुआ को भी समय देना चाहती थीं। उनकी इस मांग के बाद उन्हें फिल्म 'स्पिरिट' से रिप्लेस कर दिया गया। उनकी जगह तृप्ति डिमरी को लिया गया। संदीप रेड्डी ने बाद में एक सोशल मीडिया पोस्ट भी की थी, जिसमें दीपिका को भला-बुरा कहा था। इसके बाद इस मामले पर कई सेलेब्स की प्रतिक्रिया आई।

पुरुष एक्टर्स की मांग पर नहीं उठता सवाल

प्रीति झंगियानी ने बातचीत में कहा मुझे नहीं लगता कि आठ घंटे की शिफ्ट की मांग करना कुछ गलत है। खासकर जब कोई नई मां हो, तब तो यह एक बहुत ही जायज और समझदारी भरी मांग है। आठ घंटे की शिफ्ट दुनिया भर में स्टैंडर्ड मानी जाती है। मैं खुद एक्ट्रेस हूं और मैंने 13 से 14 घंटे तक की शिफ्ट्स की हैं। हमें फिल्म के लिए अपना सौ प्रतिशत देना होता है, यह हम जानते हैं। लेकिन जब पुरुष एक्टर्स छह बजे के बाद शूटिंग नहीं करते या समय से पहले पैकअप मांगते हैं, तो उस पर कोई सवाल नहीं उठता। फिर जब कोई महिला, खासकर

एक्ट्रेस, अपने लिए एक सीमित वर्किंग टाइम की बात करती है, तो क्यों इतनी चर्चा और बहस होती है?

हालात के अनुसार काम करने का हक होना चाहिए

प्रीति झंगियानी ने आगे कहा इंडस्ट्री में बहुत बार ऐसा हुआ है कि किसी एक्ट्रेस ने किसी प्रोजेक्ट को इसलिए मना कर दिया क्योंकि वह कुछ निजी कारणों से उस वक्त शूटिंग नहीं करना चाहती थीं लेकिन उस पर कभी बहस नहीं हुई। हर किसी को अपने हालात के अनुसार काम करने का हक होना चाहिए। हर प्रोजेक्ट की जरूरतें अलग होती हैं। बातचीत आपसी समझदारी और सम्मान से होनी चाहिए, ना कि जजमेंट से। दीपिका की बात बहुत सही है। ये बहस ही दिखाती है कि हमें वर्कप्लेस पर महिला कलाकारों के प्रति समझ बढ़ानी चाहिए।

प्रीति जल्द ही फिल्म उदयपुर फाइल्स में नजर आएंगी, जिसमें वह पत्रकार अंजना सिंह की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म एक सच्ची घटना से प्रेरित है और रिलीज से पहले ही चर्चा में है। फिल्म के अलावा प्रीति का काम प्रीति जल्द ही प्रो पंगा लीग सीजन 2 के साथ लौट रही हैं।

धड़क 2 में सिद्धांत चतुर्वेदी का अभिनय देख भावुक हुईं तृप्ति डिमरी

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों धड़क 2 को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने कहा कि सिद्धांत ने फिल्म में जो अभिनय किया है, उसे देख वह भावुक हो गईं। खास बातचीत में तृप्ति डिमरी ने सिद्धांत चतुर्वेदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सिद्धांत ने फिल्म में बहुत अच्छे से अपनी भावनाओं को दिखाया है, जिसे देख वह खुद भी भावुक हो गई। उनका अभिनय बहुत गहरा और शानदार है। वह बहुत ही मेहनती और ईमानदार अभिनेता हैं। तृप्ति डिमरी ने कहा, सच कहूं, तो फिल्म में सिद्धांत के साथ काम करना काफी अच्छा अनुभव था। वह बहुत ही मेहनती और ईमानदार अभिनेता हैं। उन्होंने दिलोजान से अपना किरदार निभाया है। जब मैंने पहली बार फिल्म देखी, तो मैंने तुरंत उन्हें फोन किया और कहा, यह तुम्हारे करियर का अब तक का सबसे बेहतरीन अभिनय है। मैं सच में उम्मीद करती हूं कि दर्शक भी इसे महसूस करेंगे। उन्होंने निलेश के किरदार को गहराई और सच्चाई के साथ उतारा है।

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें इस फिल्म में क्या खास बात लगी, तो एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें सबसे ज्यादा कहानी का भावुक पहलू और अपने किरदार की जटिलता ने आकर्षित किया। तृप्ति ने कहा, जब मैंने पहली बार शाजिया से कहानी सुनी थी, तो मेरे मन में कई सवाल उठे, सिर्फ फिल्म के बारे में ही नहीं, बल्कि उसके विषय के बारे में भी। मुझे कहानी से एक गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। घर पर भी मैं बार-बार उस कहानी, उस दुनिया और खासकर वेधी के बारे में सोचती रही, मैं यही किरदार निभा रही हूं । ये सब सवाल मेरे मन में चल रहे थे। तभी मुझे एहसास हुआ कि यह एक अहम किरदार है, इसे करना सही फैसला होगा, इसकी कहानी को लोगों तक पहुंचाया जाना चाहिए। ।

पुलकित सम्राट ने अपनी फिल्म राहु केतु की शूटिंग पूरी की

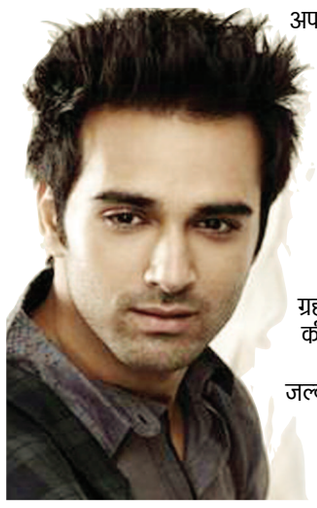

अपने सहज अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता पुलकित सम्राट ने अपनी आगामी फिल्म राहु केतु की शूटिंग आधिकारिक रूप से पूरी कर ली है। इस फिल्म की घोषणा इसी वर्ष अप्रैल में की गई थी और यह पुलकित की कॉमेडी शैली में वापसी का प्रतीक है। पुलकित सम्राट ने अपने सोशल मीडिया पर वरुण शर्मा के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा— राहु केतु सिर्फ एक फिल्म नहीं होगीज यह एक ग्रह-स्तरीय अनुभव बनने जा रही है! इस शूट की सारी ऊर्जा, प्रेम और ग्रह-स्तरीय उथल-पुथल हमारे साथ लंबे समय तक बनी रहेगी जल्द ही सिनेमाघरों में मिलते हैं! इस फिल्म का निर्देशन विपुल विग ने किया है और इसमें पुलकित सम्राट के साथ शालिनी पांडे और वरुण शर्मा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

नई पारी शुरू करने जा रहीं श्वेता त्रिपाठी, तिलोत्तमा शोम के साथ मिलाया हाथ

वेब सीरीज मिर्जापुर और फिल्म मसान में बेहतरीन अदाकारी करने वाली अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अब नई पारी शुरू करने के लिए तेयार हैं। वह जल्द ही प्रोडक्शन में डेब्यू करेंगी। वह अपनी पहली फीचर फिल्म मुझे जान ना कहो मेरी जान का प्रोडक्शन करने जा रही हैं। इसके लिए उन्होंने पाताल लोक की अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम के साथ हाथ मिलाया है। फिल्म में विचित्र प्रेम कहानी दिखाई जाएगी और इसमें तिलोत्तमा शोम के साथ श्वेता त्रिपाठी भी होंगी।

श्वेता त्रिपाठी के दिल के करीब है फिल्म

वैरायटी के मुताबिक श्वेता त्रिपाठी ने कहा यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। इसलिए नहीं कि बतौर प्रोड्यूसर यह मेरी पहली फिल्म है बल्कि इसकी कहानी की वजह से। उन्होंने आगे कहा प्रेम कहानियां बहुत ही ईमानदारी, खूबसूरती और सूक्ष्मता से बताई जानी चाहिए। चूंकि इस फिल्म में तिलोत्तमा शोम हैं, इसलिए यह और खास है। वह ना सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं बल्कि वह ऐसी इंसान हैं जिन पर मैं बहुत भरोसा करती हूं। लंबे समय से मैं चाहती थी कि हम साथ में काम करें। उनके बगैर मैं इस प्रोजेक्ट को शुरू नहीं कर सकती।

अहम किरदार निभाएंगी तिलोत्तमा

फिल्म में तिलोत्तमा शोम अहम किरदार निभाएंगी। इसका निर्देशन नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले फिल्ममेकर संजय नाग करेंगे। फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू हो सकती है। श्वेता त्रिपाठी मसान, हरामखोर, द इलीगल, कार्गो और कंजूस मक्खीचूस जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। वह वेब सीरीज क्या मस्त है लाइफ, मिर्जापुर और लाखों में एक में नजर आ चुकी हैं। तिलोत्तमा शोम ने कई बेहतरीन फिल्में दी हैं जिनमें मानसून वेडिंग, सर, शैडोबॉक्स और ए डेथ इन द गूंज शामिल हैं। वह दिल्ली क्राइम, द नाइट मैनेजर, और पाताल लोक जैसे शोज में नजर आई हैं।

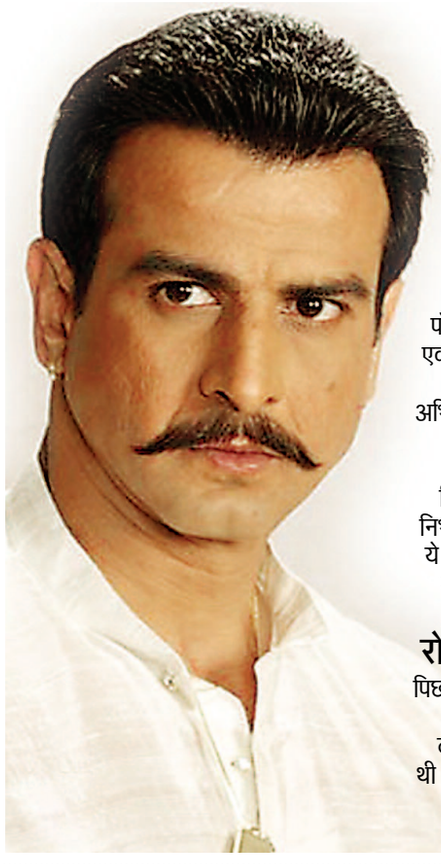

सीरियल अनुपमा में दिखेंगे रोनित रॉय, सुधांशु पांडे की जगह लेंगे

पॉपुलर टेलीविजन शो 'अनुपमा' को लेकर एक बार फिर से चर्चे होने लगे हैं। कहानी में जबरदस्त ट्विस्ट लाते हुए मेकर्स ने अब अभिनेता रोनित रॉय को शो का हिस्सा बनाने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वो अब वनराज शाह की भूमिका निभाएंगे, जिसे पहले अभिनेता सुधांशु पांडे निभा रहे थे। सुधांशु की विदाई के बाद से ही ये किरदार पर्दे से गायब था, लेकिन अब शो में नई जान डालने के लिए रोनित रॉय की एंट्री होने जा रही है।

रोनित रॉय की शो में होगी एंट्री

पिछले कुछ समय से अनुपमा की टीआरपी में गिरावट देखी गई थी, खासकर जनरेशन लीप के बाद दर्शकों की रुचि में कमी आई थी। इस कारण मेकर्स ने फैसला लिया है कि पुराने पसंदीदा किरदारों को दोबारा लाया जाए। रोनित रॉय जैसे अनुभवी और लोकप्रिय अभिनेता की एंट्री को दर्शकों के साथ शो को फिर से जोड़ने की एक रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। खबरों की मानें तो कसौटी जिंदगी की और क्योंकि सास भी कभी बहू थी जैसे सुपरहिट शोज में दमदार अभिनय के लिए पहचान बनाने वाले रोनित रॉय अब अनुपमा में एक बार फिर टीवी स्क्रीन पर लौटने जा रहे हैं।

अनुपमा ने की नई शुरुआत

वहीं शो की लीड किरदार अनुपमा अब भी अपनी जगह कायम हैं और मुंबई में एक नई जिंदगी की शुरुआत करती दिखाई दे रही हैं, जिसमें खाना पकाने और डांस के जरिए वो अपने सपने को जीने की कोशिश कर रही हैं।

गौरव खन्ना की वापसी की अटकलें

इसके अलावा, सोशल मीडिया पर ये अटकलें भी तेज हैं कि अभिनेता गौरव खन्ना, जो शो में अनुज कपाड़िया की भूमिका निभा रहे थे, वो जल्द ही वापसी कर सकते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि उनका शो से जाना सिर्फ एक कॉमा था, फुलस्टॉप नहीं जिससे फैंस की उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं।

क्योंकि... को रोनित ने किया मना?

बता दें 25 वर्षों बाद जब क्योंकि सास भी कभी बहू थी का रिबूट वर्जन फिर से आ रहा है तो ये भी रिपोर्ट्स आईं कि रोनित ने शो को करने से मना कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अमर उपाध्याय से पहले मिहिर के रोल के लिए रोनित को ही अप्रोच किया गया था। एक इंटरव्यू में रोनित ने साफ किया था कि वो क्योंकि सास भी कभी बहू थी के रिबूट वर्जन का हिस्सा नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि शो को दोबारा लाया जा रहा है लेकिन फिलहाल वो इसके लिए उपलब्ध नहीं हैं।

जंगल एडवेंचर फिल्म से करेंगे डायरेक्टोरियल डेब्यू करेंगे अरिजीत सिंह, कहानी भी खुद ही लिखी

फेमस सिंगर अरिजीत सिंह गायिकी के बाद अब डायरेक्शन में हाथ आजमाने वाले हैं। सिंगर जल्द ही बिग बजट जंगल एडवेंचर थीम से अपना डायरेक्टोरियल डेब्यू करने वाले हैं। अपनी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म की कहानी खुद सिंगर ने ही लिखी है। इस फिल्म को महावीर जैन प्रोड्यूस कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, अरिजीत और महावीर अनोखी जंगल एडवेंचर वाली इस फिल्म को पैन इंडिया ऑडियंस को ध्यान में रखकर बनाने वाले हैं। खबरों की माने तो फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है और कास्टिंग का काम चल रहा है। कास्टिंग और फिल्म का टाइटल तय होने के बाद टीम फिल्म की अनाउंसमेंट करेगी। फिल्म को महावीर जैन के अलावा अलोकद्युति फिल्म्स मिलकर बना रहे हैं, जबकि गॉड ब्लेस एंटरटेनमेंट इसके को-प्रोड्यूसर हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।